मार्च 2021

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

मेरी टोपी मेरा गर्व

04

लक्ष्य 2022

बदलती हवा

18

किसान आंदोलन

किसानों की भीड़ का स्पष्ट संदेश

40

समाजवादी महिला घेरा

आधी आबादी पूरा दम

52

R.N.I. No. 68832/97

किसी में भेद नहीं करना चाहिए। चाहे वह औरत-मर्द हों या गोरे-काले। क्षेत्रीयता के आधार पर भी भेद नहीं करना चाहिए। नौजवान समाजवादियों को समाजवादी पार्टी की विचारधारा, डा. राम मनोहर लोहिया के सभी भाषणों को पढ़ना चाहिए क्योंकि उनको जनता के बीच में बोलना होता है। वे जितना पढ़ेंगे, उतना अच्छा बोलेंगे।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक-संरक्षक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन
मार्च 2021

वर्ष 22| संख्या 05

प्रिय पाठकों,
समाजवादी बुलेटिन आपकी अपनी पत्रिका है। इसके नए और बदले कलेवर को आप सबने सराहा है। आपका यह उत्साह वर्धन हमारी ऊर्जा है। कृपया अपनी राय से हमें अवगत कराते रहें। इसके लिए आप हमें नीचे दिए गए ईमेल पर लिख सकते हैं। कृपया अपना पूरा नाम, पता एवं मोबाइल नंबर जरूर दें। हम बुलेटिन को और बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेंगे। आपके संदेश की प्रतीक्षा रहेगी।
धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

आस्था प्रिंटर्स, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

"किसान धोखे का जवाब अपने वोट से देंगे" 48

04 कवर स्टोरी

मेरी टोपी, मेरा गर्व

बदलती हवा
लक्ष्य 2022 18

उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव में परिवर्तन तय है। जनता ने मन बना लिया है कि उसे फिर से समाजवादी सरकार बनाकर श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपनी है

किसान आंदोलन: किसानों की भीड़ का स्पष्ट संदेश 40

समाजवादी महिला घेरा: आधी आबादी पूरा दम 52

मेरी टोपी मेरा गर्व

उत्तर प्रदेश में संवैधानिक पद पर होते हुए भी भाषाई मर्यादा की लगातार धज्जियां उड़ाने वाले अपनी जमीन खिसकती देख बौखलाए जा रहे हैं! लिहाजा अनाप-शनाप बयान देने में इतिहास को भी भुलाए दे रहे। तभी तो भारतीय समाज एवं राजनीति में टोपी, खास तौर पर लाल टोपी की अहम भूमिका भी इन तत्वों को याद न रही। इतिहास से बेखबर शासकों को यह याद दिलाना बेहद जरूरी है कि लाल टोपी थी, लाल टोपी है और लाल टोपी रहेगी! टोपी की गौरवशाली परंपरा पर पढ़िए ***समाजवादी बुलेटिन*** *की खास पेशकश:*

लाल टोपी यानी संपूर्ण क्रांति !

रविकान्त
सहायक प्रोफेसर, हिन्दी, लखनऊ विवि

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार चार साल पूरे कर चुकी है। इन वर्षों में योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति को लगभग तहस-नहस कर दिया है। जनतंत्र का उन्होंने मजाक बना दिया है। जनता की उम्मीदों, उसकी परेशानियों से उनका कोई सरोकार नहीं है लेकिन वे तंत्र को अपनी मुट्ठी में कैद करके रखना चाहते हैं। योगी आदित्यनाथ संविधान की शपथ लेकर धर्मनिरपेक्षता को गैर जरूरी कहते हैं।

गौरतलब है कि अपने ऊपर ऐसे तमाम आपराधिक मुकदमों को योगी सरकार ने वापस ले लिया है। जबकि दूसरी तरफ जनता की मांगों को उठाने वाले समाजवादी पार्टी के नेताओं को योगी आदित्यनाथ गुंडा करार देते हैं। राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के विधायकों की आवाज को दबाने की कोशिश ही नहीं की बल्कि तंज करते हुए कहा कि 'हरी,लाल, नीली टोपी वाले गुंडे होते हैं।'

योगी शायद नहीं जानते हैं कि भारत के स्वाधीनता आंदोलन में गांधी से लेकर लोहिया और जेपी तक ने नैतिक मूल्यों और मर्यादाओं की रक्षा के लिए संघर्ष के साथ-साथ सादगी को भी अपनाया था। भगवा धारण करने वाले कथित योगी सत्ता भोगी और हिंसक भाषा बोलने वाले हैं। जबकि वे नहीं जानते कि भगवा त्याग का प्रतीक है। इसी तरह से लाल रंग क्रांति का प्रतीक है।

गांधीजी ने सादगी के लिए शरीर पर लंगोटी के अलावा सारे कपड़े त्याग दिए थे। विदेश में भी गांधीजी इसी सादगी के साथ जाते थे। गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने गए गांधीजी ब्रिटिश राजा के आग्रह पर उनसे मिलने गये लेकिन उन्होंने प्रोटोकॉल को ठुकरा दिया। कोट और पतलून की जगह गांधी जी ने लंगोटी में ही राजा से मुलाकात की। गांधीजी की सादगी का अंग्रेजी हुकूमत और जनमानस पर गहरा असर हुआ।

योगी आदित्यनाथ लाल टोपी के इतिहास को नहीं जानते। सोवियत रूस से लौटकर आने के बाद जय प्रकाश नारायण ने कांग्रेस की सफेद गांधी टोपी त्यागकर लाल टोपी पहनी थी। राम मनोहर लोहिया, जेपी और आचार्य नरेन्द्र देव ने कांग्रेस से अलग होकर सोशलिस्ट पार्टी बनाई थी। दरअसल, सोशलिस्ट नेता राजनीतिक आजादी के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक आजादी की भी मांग कर रहे थे। उनकी नजर में राजनीतिक आजादी सिर्फ सत्ता परिवर्तन है। जब तक करोड़ों गरीब किसानों, मजदूरों, दलितों और स्त्रियों के हालात नहीं बदलते, तब तक राजनीतिक आजादी के कोई मायने नहीं।

इसी बदलाव के लिए जेपी ने आगे चलकर संपूर्ण क्रांति का नारा दिया। उन्होंने इंदिरा गांधी के तानाशाही शासन का विरोध किया। आपातकाल के समय सरकारी जुल्मों के खिलाफ बगावत की। जेल गए। लाठियाँ खाईं। 1977 के चुनाव में इंदिरा गांधी के राज का अंत हुआ। इस दरम्यान लाल टोपी जुल्म के खिलाफ बगावत का प्रतीक बन गई थी। आगे चलकर लाल टोपी को समाजवादी मुलायम सिंह यादव ने अपनाया। यूपी की राजनीति में लाल टोपी समाजवादियों की स्थाई पहचान बन गई।

भूमंडलीकरण और ब्रांडिंग की राजनीति के दौर में भी अखिलेश यादव और उनके समाजवादी साथी बड़ी शान और मर्यादा से लाल टोपी पहनते हैं। योगी आदित्यनाथ का लाल टोपी पर हमला भारत में समाजवादी मूल्यों और सामाजिक न्याय की राजनीति पर प्रहार है। योगी सरकार और भारतीय जनता पार्टी दलितों, पिछड़ों, स्त्रियों किसानों, मजदूरों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों का दमन करती है। भाजपा सामाजिक और आर्थिक आजादी की कतई विरोधी है। कॉरपोरेट हितैषी भाजपा सरकार सौ

दिन से अधिक समय से आंदोलन कर रहे किसानों का दमन कर रही है।

जब समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता किसानों पर हो रहे जुल्म के खिलाफ आवाज बुलंद करते हैं तो योगी आदित्यनाथ उनपर कीचड़ उछालते हैं। लाल टोपी पर वे भड़कते हैं। दरअसल, योगी संसदीय परंपरा में विपक्ष की भूमिका को अप्रासंगिक बनाकर जनता की आवाज को खत्म करना चाहते हैं। योगी आदित्यनाथ के चार साल के तानाशाहीपूर्ण रवैये से जनता पूरी तरह से परेशान हो चुकी है। यूपी में कानून और व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। भाजपा के विधायक-सांसद अपराधियों के समर्थन में बयान देते हैं।

महंगाई और बेरोजगारी से प्रदेश की जनता त्राहिमाम कर रही है। लेकिन योगी आदित्यनाथ के ट्विटर हैंडल से लेखपाल की भर्ती वाला झूठा वीडियो पोस्ट होता है। पोल खुलने पर वीडियो डिलीट करना पड़ता है। पिछली सपा सरकार द्वारा विज्ञापित नौकरियों के नियुक्ति पत्र डाक से भेजने के बजाय इनका वितरण कार्यक्रम आयोजित करके योगी सरकार पोलिटिकल इवेंट कर रही है। जबकि प्रदेश का नौजवान योगी आदित्यनाथ के इस ढोंग को भलीभांति समझता है। प्रदेश का नौजवान योगी आदित्यनाथ की उस बयान को कभी नहीं भूल सकता कि यूपी के नौजवानों में नौकरी पाने की योग्यता नहीं है। यह बयान गलत ही नहीं बल्कि करोड़ों नौजवानों को अपमानित करने वाला भी है। आने वाले चुनाव में यूपी की जनता योगी आदित्यनाथ को करारा जवाब देगी। जनता योगी आदित्यनाथ को वापस मठ में भेजने का मन बना चुकी है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

टोपी का दर्शन

चंचल
वरिष्ठ पत्रकार, लेखक

उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यवाही में सूबे के मुख्यमंत्री को बोलते देख, रुक गया। अरसा हुआ,योगी जी को सुने हुए! वो भी एकाध बार तब, जब वे सांसद थे। सोचा सांसद योगी और मुख्यमंत्री योगी में कुछ तो तब्दीली आयी होगी। इसी गरज से कार्यवाही देखने और सुनने लगा।

योगी जी बोलते-बोलते अचानक टोपी पर चले गए। प्रतिपक्ष में बैठे प्रतिपक्ष के नेता को इंगित करते हुए पहले लाल टोपी पर आए और टोपी के अंदर छुपे अपराधी (?) वृत्ति पर बोलने लगे। यहां मुख्यमंत्री तनाव में नही लगे बल्कि बाज दफे हंसी और खुला उपहास करते रहे और विभिन्न रंग की टोपियों को बार-बार ललकारते रहे ।

एक पल के लिए हमने सोचा कोई तो वजह होगी योगी जी का इस तरह टोपी दर्शन पर उतरना । फिर टोपियों की तरफ हम मुड़ गए। तुर्रा यह कि हम गूगल पर गए थे केचुआ खोजने। वर्मी कम्पोस्ट बनाने की धुनकी सवार है सोचा एक प्रयोग यह भी कर के देखूं वर्मी कम्पोस्ट कैसे तैयार होता है लेकिन उलझ गए टोपी में।

टोपी को शीश वस्त्र कहा गया है। इसके कई नाम हैं, कई तरह की इनकी बनावट होती है यह कई तरह की प्रतीक और पहचान चिह्न है। सर ढकने के कई अलहदा अलहदा कारण रहे हैं। कहीं प्राकृतिक बनावट तो कहीं सामाजिक विभाजन और कहीं धार्मिक भेदभाव की पहचान और फिर राजनीति में वैचारिक आधार पर एक दूसरे से विपरीत खड़े विचार के साथ अटकी पड़ी टोपी।

मसलन गांधी की गांधी टोपी कांग्रेस की बड़ी पहचान है। उसी तरह समाजवाद्यों और साम्यवादियों की लाल टोपी । किसान की हरी वगैरह। लेकिन योगी जी ने सबसे घातक टोपी का जिक्र ही नहीं किया- काली टोपी !

यहां हम केवल टोपी की बात कर रहे हैं। पगड़ी, पाग, साफा वगैरह बे सिले टोपियों की बात छोड़ रहा हूं। लेकिन योगी जी से संवाद बनाने का अलग का सुख है जब वे अपने पंथ को दूसरे अन्य पंथ से अलग करके बताएं। नाथ पंथ समाज का सबसे जागरूक, समतामूलक और सर्वोदय मुखी पंथ है जहां किसी भी तरह की गैरबराबरी या भेदभाव की मनाही है। वहां योग साधन है और समाधि साध्य। यह पंथ न तो सिले हुए वस्त्र को धारण करता है न ही किसी पर जबरन इसे लादता है। यह सोचते-सोचते इस नतीजे पर आया कि योगी जी को लाल टोपी से चिढ़ क्यों है?

सियासत कई बार अपने विरोधाभास और विडम्बना को ही सीढ़ी मानने को मजबूर होती है। मसलन सनातन और योगी जी का कोई मेल नही बनता। न सोच में न दर्शन में। लिबास में तो कत्तई नहीं। विडम्बना यह है कि योगी जी संघ के साथ हैं तमाम विरोधाभास के बाद। इसलिए मन किया कि संघ को कब कौन टोपी पहननी पड़ती है, कब कौन उतारनी और इससे ज्यादा किस टोपी का कितना इस्तेमाल करता है संघ? योगी जी इसे जानबूझ कर छोड़ गए या याद नही रहा?

संघ की टोपी काले रंग की है। काला रंग खौफ, विपत्ति, आपदा का रंग है और सम्प्रदाय में यह भैरव के साथ जुड़ता है। चूंकि संघ राजनीतिक (?) संगठन नहीं है (ऐसा उसका कहना है। वैसे, उदाहरण अनेक हैं जो संघ से जुड़े रहे पर राजनीति से नहीं- मसलन अटल जी, आडवाणी, नरेंद्र मोदी वगैरह !)।

संघ बना 1925 में। नीव पड़ी विजयदशमी के दिन। संस्थापक रहे हेडगवार जी। परिकल्पना थी मुंजे साहब की। मुंजे साहब मुसोलिनी से मिल चुके थे। उसके मुरीद इस कदर थे कि मुसोलिनी की सेना के लिबास को उन्होंने संघ को पहना दिया। काली टोपी वहीं से चली ।

दिलचस्प वाकया तब होता है जब जनता को भरमाना हो तो अपनी टोपी उतार कर खीसे में रख लो और गांधी टोपी पहन कर वितंडावाद करो। अन्ना हजारे इसी टोपी का मोहरा रहा ।

बहरहाल विधायिका के बहस में लिबास पर बहस स्वागत योग्य है। होनी चाहिए क्योंकि इस लिबास की आड़ में जहां बहुत कुछ अनर्गल हुआ है वही इस लिबास ने आपको स्वाभिमान भी दिया है। गांधी का ब्रिटिश राजभवन में खादी के लिबास में प्रवेश सबसे बड़ा उदाहरण है ।

योगी जी जिस लाल टोपी से उखड़े रहे वही लाल टोपी गैर कांग्रेसवाद का प्रतीक रही जिसे डॉ लोहिया, जय प्रकाश नारायण जैसे लोग लगाते रहे। जिन पर आज यह आरोप है कि बापू की हत्या के बाद ,संघ जिसे एक किनारे फेंक दिया गया था , इसी गैर कांग्रेस वाद ने संघ को पंगत में बिठाया और सत्ता तक जाने की सीढ़ी मुहैया कराई ।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

सियासत में भाषा का पतन चिंताजनक

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाषा और आचरण का जो ह्रास दिखाई दे रहा है वह चिंताजनक है। आरोप-प्रत्यारोप और धमकी का इसमें कोई स्थान नहीं हो सकता है। जो राजनीति में हैं उन्हें विशेषकर सावधानी बरतनी चाहिए और सार्वजनिक जीवन की गरिमा बनाए रखनी चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाषा मर्यादित और संयमित होनी चाहिए। लोकतंत्र में सत्तापक्ष के साथ विपक्ष की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है लेकिन सत्ताधीशों को विपक्ष की परवाह नहीं है। इधर लोकतंत्र के मंदिर विधानमंडल में सार्वजनिक तौर पर जिस भाषा और व्यवहार का प्रदर्शन किया गया वह लोकतांत्रिक मान्यताओं की गरिमा को गिराने वाला है। लोकशाही में एकाधिकारी मानसिकता का प्रदर्शन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अवांछनीय है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा, लोकराज लोकलाज से चलता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सत्ता का दुरुपयोग, ठोक दो, ऐसा डोज दूंगा कि दर्द दूर हो जाएगा, जैसी भाषा का प्रयोग अहंकार की सतही मनोदशा का सूचक है। ऐसी बोली उचित नहीं। दरअसल उन्हें लाल टोपी से चिढ़ है। जनता सब देख रही है। भाजपा ने लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्थानों का जितना नुकसान किया है उतना किसी ने नहीं किया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह बात समझ से परे है कि भाजपा किसानों से क्यों नफरत करती है? भाजपा अब अपने संकल्प पत्र के वादे भी भूल गई है। जनप्रतिनिधि जब जनता की दिक्कतों के बारे में सवाल उठाते हैं और भाजपा से उनके वादो के बारे में जवाब मांगते है तो भाजपा भड़क जाती है। आखिर जनता का सामना करने से भाजपा क्यों कतराती है? जनता को डराने वाली भाजपा अब खुद चुनाव में जाने से पहले डर रही है।

लोकतंत्र में जनता के पास ही पूरी ताकत होती है और उसी के वोट से सरकारें बनती-बिगड़ती हैं। सत्ता के मद में जनता की अनदेखी करना भाजपा के लिए बहुत भारी पड़ेगा। भाजपा की दम्भी सरकार के दिन भी गिने-चुने रह गए हैं।

सदन से सड़क तक भाजपा के चाल चरित्र का वास्तविक चेहरा सामने आ चुका है। जब 2022 में जनता अपना निर्णय समाजवादी पार्टी के पक्ष में सुनायेगी तब भाजपा को मुंह छुपाने लायक जगह भी नहीं मिलेगी। भाजपा को 2022 में जनता का, किसानों, नौजवानों का आक्रोश भारी पड़ने वाला है। समाजवादी पार्टी विकास, खुशहाली, रोजगार, न्याय और सम्मान को चुनावी मुद्दा बनाएगी। जनता जानती है कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने ईमानदारी से काम किया था। समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तो किसान, नौजवान सहित समाज के सभी वर्गों के हितों की पूर्ति होगी। महिलाओं को सुरक्षा मिलेगी।

रामपुर में चली सपा की साइकिल

बुलेटिन ब्यूरो

रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व सांसद मोहम्मद आजम खां के प्रति भाजपा सरकार की बदले की भावना से की जा रही कार्यवाहियों के विरुद्ध जनाक्रोश दर्ज करने के लिए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रामपुर में 12 मार्च 2021 को साइकिल चलाई।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर जनपद रामपुर से लखनऊ तक चली यह साइकिल यात्रा 12 मार्च 2021 को रवाना होकर 20 मार्च को लखनऊ में संपन्न हुई। आजम साहब के समर्थन में खुद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने रामपुर में न सिर्फ साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया बल्कि खुद भी साइकिल चलाई।

रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से शुरू हुई समाजवादी साइकिल यात्रा से पहले उपस्थित विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने इस मौके को ऐतिहासिक ठहराते हुए कहा है कि जब-जब लाल टोपी पहने नौजवानों ने साइकिल चलाई है तब तब बदलाव हुआ है। सन् 2011 में जब लगातार साइकिल चली तो 2012 में उस समय की सरकार का सफाया हो गया।

उन्होंने कहा कि रामपुर से चली साइकिल यात्रा से देश-प्रदेश का राजनीतिक मौसम भी जरूर बदलेगा। भाजपा की सरकार किसी सूरत में नहीं बचेगी, उसका जाना तय है। उन्होंने कहा कि साइकिल के पहिया से विकास जुड़ा है। रफ्तार साइकिल की ताकत है। इसी से तरक्की-खुशहाली आती है। साइकिल यात्रा के साथ जन अभियान में साइकिल की ताकत संतुलन से बंधी है।

श्री अखिलेश यादव ने स्वयं जौहर विश्वविद्यालय से प्रारम्भ साइकिल यात्रा का नेतृत्व किया। उनके साथ इस साइकिल यात्रा में दर्जनों विधायक, युवा संगठनों के प्रदेश अध्यक्ष तथा शहर के युवक भी बड़ी संख्या में

जब-जब लाल टोपी पहने नौजवानों ने साइकिल चलाई है तब तब बदलाव हुआ है। सन् 2011 में जब लगातार साइकिल चली तो 2012 में उस समय की सरकार का सफाया हो गया

साइकिल चला रहे थे। साइकिल यात्रा के दौरान सड़क के दोनों तरफ लोगों ने फूल बरसा कर साइकिल चला रहे अपने नेता श्री अखिलेश यादव का अभिवादन किया। नौजवानों में उत्साह का माहौल था। राहगीर और स्थानीय लोग अपने नेता की एक झलक पाने के लिए लालायित दिखे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अब चुनाव में ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। पंचायत चुनाव और पश्चिम बंगाल के चुनाव के बाद ही उत्तर प्रदेश में चुनाव की हलचल शुरू हो जाएगी। आज से हमारा भी प्रचार शुरू हो रहा है। उन्होंने साथ रही चेतावनी दी कि हमें भाजपा की साजिशों से सावधान रहना होगा। पश्चिम बंगाल में जो हो रहा है वैसे ही हम आप पर भी हमले होंगे। उन्होंने कहा चुनाव के दिन थोड़े ही बचे हैं, अब जो होगा अच्छा ही होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सांसद और पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खां और उनके परिवार सहित उनके तमाम साथियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमें लगा दिए गए हैं। उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाया गया है। आजम साहब अकेले नेता है जिन पर बहुत ज्यादा मुकदमे लगा दिए गए हैं। उन्होंने जौहर

विश्वविद्यालय जैसा शानदार शैक्षिक संस्थान बनाया ताकि आने वाली पीढ़ी का भविष्य बेहतर हो। उससे चिढ़कर ही उन्हें अपमानित और प्रताड़ित किया जा रहा है। जनपद के अधिकारी अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर झूठे मामले तैयार करा रहे हैं। जनता सब समझती है और समय आने पर करारा जवाब भी देगी।

उल्लेखनीय है कि रामपुर से सांसद पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खां, उनकी विधायक पत्नी श्रीमती तंजीन फातिमा तथा उनके पुत्र श्री अब्दुल्ला आजम पर सैकड़ों फर्जी केस दर्ज किए गए हैं। यहां तक कि मोहम्मद आजम खां को मिल रही लोकतंत्र सेनानी पेंशन पर भी रोक लगा दी गई है जो समाजवादी सरकार ने आपातकाल के विरोध और लोकतंत्र की रक्षा करने वालों के लिए चालू की थी। जबसे भाजपा सत्ता में आई है इस परिवार पर विपत्तियों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस परिवार पर कई सैकड़ा फर्जी केस दर्ज किए गए हैं। मोहम्मद आजम खां को हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है।

भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है, हम उसे ऐसा नहीं करने देंगे। गंगा-जमुनी तहजीब को मिटाने के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देंगे

श्री अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे विपक्षी की भाषा है कि 'ठोक दो', जिनकी यह भाषा हो उनसे क्या उम्मीद करें। लेकिन हमें न्यायालय पर भरोसा है। हमें विश्वास है कि न्यायालय में मोहम्मद आजम खां की बात सुनी जाएगी और उन्हें न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा भाजपा का विकास से कोई रिश्ता नहीं है। समाजवादी सरकार के कामों का फीता काटने के अलावा उन्हें कोई दूसरा काम नहीं आता है। हम साइकिल चला रहे हैं तो प्रशासन उस पर भी मुकदमा दर्ज करने की सोच रहा है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है, हम उसे ऐसा नहीं करने देंगे। गंगा-जमुनी तहजीब को मिटाने के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देंगे। जनता को डराया जा रहा है। किसानों के आंदोलन को हमारा समर्थन है।

सभा मंच पर विधानसभा में नेता विरोधी दल श्री राम गोविन्द चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री श्री बलवंत सिंह रामूवालिया, रामपुर की विधायक श्रीमती तंजीन फातिमा के अतिरिक्त समाजवादी पार्टी के एमएलए, एमएलसी सहित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी

आदि मौजूद रहे।

रामपुर से चली साइकिल यात्रा रामपुर, बरेली, कटरा, लखीमपुर, सीतापुर, बख्शी का तालाब, लखनऊ होकर 20 मार्च को समाजवादी पार्टी मुख्यालय, लखनऊ पहुंची जहां राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने इसकी अगवानी कर संबोधित किया।

बदलती हवा

बुलेटिन ब्यूरो

एक तरफ उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार अपने 4 साल का कार्यकाल पूरा करने पर झूठे विज्ञापनों और झूठे दावों से माहौल बनाने की कोशिश कर रही है वहीं दूसरी तरफ सड़कों पर जनता समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के स्वागत के लिए उमड़ रही। जनता का यह समर्थन और गर्मजोशी इस बात का साफ संदेश है कि उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव में परिवर्तन तय है। जनता ने मन बना लिया है कि उसे फिर से समाजवादी सरकार बनाकर श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपनी है ताकि प्रदेश का वास्तविक विकास हो सके न कि विज्ञापनों वाला विकास! समाजवादी पार्टी के प्रशिक्षण शिविरों के सिलसिले में श्री अखिलेश यादव इन दिनों प्रदेश के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर रहे हैं। एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर जाने के क्रम में रास्ते में उनके स्वागत के लिए अपार जनसमूह उमड़ रहा है। चाहे वह प्रशिक्षण शिविर से संबंधित शहर हो या फिर सुदूर गांव या हाईवे, उनके काफिले को रोककर उन्हें फूल मालाओं से लाद देने और

समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का आश्वासन देने की जनता की ललक देखती ही बनती है। श्री अखिलेश यादव ने "नई सपा है, नई हवा है" का जो नारा दिया है वह हवा का रुख बदलने का स्पष्ट एहसास दिला रहा है।

बीते एक महीने में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी ने पूर्वांचल, बुंदेलखंड एवं रुहेलखंड में प्रशिक्षण शिविरों को संबोधित किया और इस सिलसिले में लंबी यात्राएं की। पूर्वांचल के दौरे में जौनपुर हो या फिर मिर्जापुर या वाराणसी हर स्थान पर उनके अभिनंदन के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी। यही नजारा झांसी एवं ओरछा में भी रहा। बुंदेलखंड के इन प्रमुख केंद्रों में अखिलेश जी की एक झलक पाने और उनका स्वागत करने के लिए लोगों में गजब का उत्साह देखा गया। वहीं मुरादाबाद और रामपुर के उनके दौरे में भी न सिर्फ सपा के कार्यकर्ताओं बल्कि आम लोगों के बीच उनके स्वागत के लिए इंतजार करने एवं उन्हें सम्मानित करने की चाहत यह संकेत दे गई कि जनता ने 2022 में परिवर्तन का मन बना लिया है।

पूर्वांचल

मिर्जापुर में 25, 26 एवं 27 फरवरी 2021 को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। इसको संबोधित करने के लिए श्री अखिलेश यादव वाराणसी हवाई अड्डे पर उतरे और सड़क मार्ग से जौनपुर गए। जहां वे पूर्व विधायक स्वर्गीय ज्वाला प्रसाद यादव और स्वर्गीय हाजी अफजाल अहमद के घर गए एवं शोकाकुल परिजनों से उनके घर भेंट कर संवेदना व्यक्त की।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जौनपुर समाजवादियों की धरती है। समाजवादी आंदोलन को मजबूत करने में यहां के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान है। समाजवादी पार्टी के दोनों दिवंगत पूर्व विधायक आजीवन समाज के वंचित तबके की लड़ाई लड़ते रहे। उनका संघर्ष और योगदान भुलाया नहीं जा सकता।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जौनपुर के

बक्सा थाना अंतर्गत ग्राम चक मिर्जापुर पकड़ी के मृतक कृष्ण कुमार यादव उर्फ पुजारी के घर भी गए। जिसकी पुलिस हिरासत में मृत्यु हो गयी थी। जौनपुर दौरे से दो दिन पहले ही लखनऊ में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यालय में मृतक के परिजनों से भेंट कर उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया था।

जौनपुर से वापस वाराणसी लौटकर श्री अखिलेश यादव ने शाम को वाराणसी के संकटमोचन मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद महंत प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र से भेंट की। वाराणसी से जौनपुर एवं वापसी के रास्ते में उनका कई स्थानों पर भव्य स्वागत हुआ। ऐसा ही गर्मजोशी भरा माहौल जौनपुर और वाराणसी शहरों में भी रहा।

अगले दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव मिर्जापुर पहुंचे एवं वहां चल रहे प्रशिक्षण शिविर को संबोधित किया। श्री अखिलेश यादव ने जिले के कई नेताओं के घर जाकर उनसे मुलाकात भी की। उन्होंने मिर्जापुर में मां विंध्यवासिनी दरबार में हाजिरी भी लगाई। उन्होंने मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान पूर्वक दर्शन पूजन व आरती कर मां से 2022 में सरकार बनाने का आशीर्वाद मांगा। दर्शन पूजन करने के बाद मंदिर परिसर में ही समस्त देवी देवताओं की परिक्रमा करते हुए हवन कुंड की भी परिक्रमा की।

वे चुनार के सक्तेशगढ़ स्थित स्वामी अड़गड़ानंद महाराज के आश्रम में आशीर्वाद लेने भी पहुंचे। मीडिया से वार्ता करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पिछली बार विंध्य की धरती सोनभद्र में शिविर लगा था, तो समाजवादी सरकार बनी थी। इस बार भी मां विंध्यवासिनी के आशीर्वाद मिला है। समाजवादी पार्टी यूपी में फिर सरकार बनाएगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने

मिर्जापुर से वापस वाराणसी पहुंचने के बाद सीर गोवर्धन स्थित संत रविदास मंदिर पहुंच कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। मंदिर के मुख्य द्वार पर रैदासियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी का स्वागत किया। उसके उपरांत संत रविदास मंदिर के मुख्य रैदासी स्वामी निरंजन दास जी ने श्री यादव को आशीर्वाद दिया। श्री यादव ने लंगर में प्रसाद भी ग्रहण किया। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संत रविदास समता, बंधुत्व, सौहार्द और भेदभाव के विरोध की विचारधारा को बढ़ाने के लिए समाजवादी पार्टी कृतसंकल्प हैं।

बुंदेलखंड

ओरछा में 2, 3 एवं 4 मार्च 2021 को आयोजित किया गया। श्री अखिलेश यादव झांसी होते हुए ओरछा पहुंचे। झांसी एवं ओरछा और रास्ते में उनका जबरदस्त स्वागत किया गया। झांसी में वे कुछ परिचितों के अलावा समाजवादी पार्टी के जिला पदाधिकारियों के घर भी गए। झांसी दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान शुरू की गई परियोजनाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने शंकरगढ़ स्थित सैनिक स्कूल, सीपरी ओवरब्रिज का निर्माण कार्य देखा। यह कार्य उनके कार्यकाल में ही स्वीकृत हुए थे। उन्होंने भाजपा सरकार पर निर्माण कार्य पूरा करने में कोताही बरतने का भी आरोप लगाया। वापसी में वे मुरैना के ऐतिहासिक चौंसठ योगिनी मंदिर भी गए।

मिला आशीर्वाद

आंवला के रामनगर में तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ जी के प्राचीन जैन मंदिर के दर्शन

हज़रत सैयद शाह बरकतुल्लाह जी की दरगाह

बालू घाट में गुहय राज निषाद की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन

स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज से मिला जनसेवा में रत रहने का आशीर्वाद !

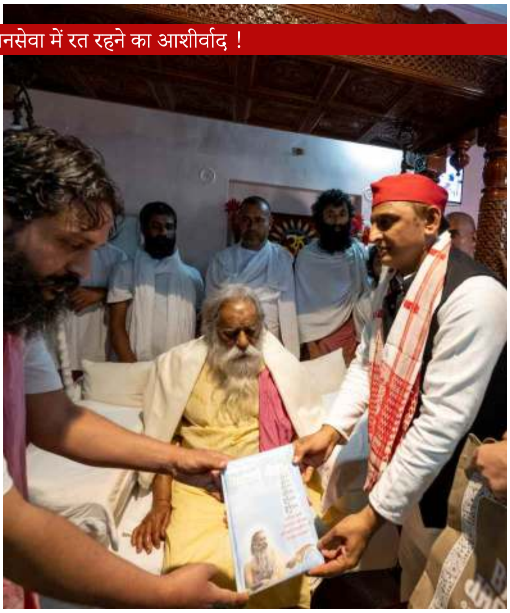

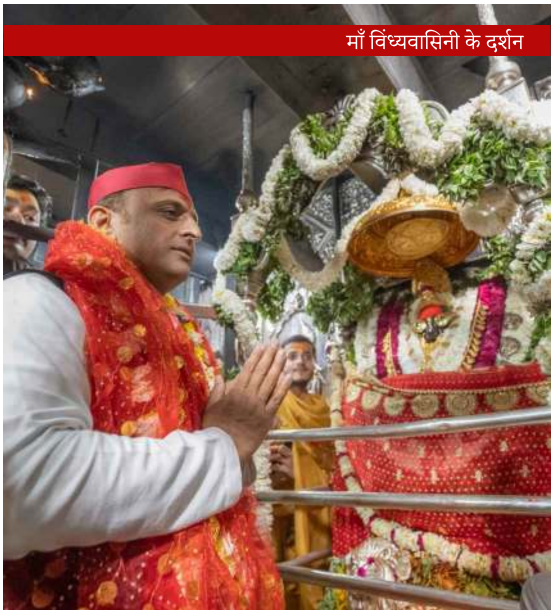

माँ विंध्यवासिनी के दर्शन

वाराणसी के संत रविदास मंदिर के दर्शन

संकट मोचन मंदिर, वाराणसी

समाजवादी कार्यकर्ता
प्रशिक्षण शिविर
स्थान- मिर्ज़ापुर
दिनांक - 25, 26, 27

रुहेलखंड

मुरादाबाद में 10, 11 एवं 12 मार्च को समाजवादी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मुरादाबाद मंडल के पांच जनपदों की 27 विधानसभा सीटों से सीटवार 100-100 कार्यकर्ताओं को इसमें बुलाया गया था। श्री अखिलेश यादव ने इसके समापन सत्र को संबोधित कर प्रशिक्षु कार्यकर्ताओं को लक्ष्य 2022 के तहत जरूरी निर्देश दिए। मुरादाबाद के कार्यक्रम के बाद श्री अखिलेश यादव रामपुर गए जहां उन्होंने सपा सांसद व पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान साहब के खिलाफ यूपी सरकार के मनमाने रवैए के विरोध में साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाने के बाद खुद भी साइकिल चलाई। मुरादाबाद एवं रामपुर, दोनों ही स्थानों पर श्री अखिलेश यादव को देखने, सुनने व उनका स्वागत करने के लिए लोगों का भारी हुजूम उमड़ा।

बढ़ता कारवां

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2022 जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं वैसे-वैसे विभिन्न राजनीतिक दलों से समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं की तादाद भी बढ़ती जा रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की लोकप्रियता एवं कुशल संगठन क्षमता इसकी बड़ी वजह है कि पार्टी का कारवां निरंतर बढ़ता चला जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि चुनाव करीब आने तक यह सिलसिला और भी तेज होता चला जाएगा।

समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यालय, लखनऊ में 19 फरवरी 2021 को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की उपस्थिति में भाजपा, बसपा और कांग्रेस, एमआईएम के सैकड़ों नेताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांशीराम बहुजन दल का समाजवादी पार्टी में विलय भी हुआ।

समाजवादी पार्टी में शामिल होने वालों में बी.एस.फोर के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आर.के. चौधरी प्रमुख से शुमार थे। उनके अलावा पूर्व एडीजी गुरू बचन लाल जाटव, पूर्व डीआईजी हरीश कुमार, पूर्व विधायक जहूराबाद काली चरन राजभर, पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक मेहनगर आजमगढ़ विद्या चौधरी, सहावर कासगंज की चेयरमैन जाहिदा सुल्तान, अनूप शहर बुलन्दशहर के पूर्व विधायक चौधरी होशियार सिंह जाट, कृपा शंकर कटियार पूर्व विधायक भगवंतनगर उन्नाव, हरचरन यादव पूर्व

विधायक अमेठी भी सपा में शामिल हुए।

इनके अलावा, किरन वर्मा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बांदा, छेदी लाल शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष 'दि अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा उत्तर प्रदेश', मोहम्मद अशफाक अध्यक्ष नगर पंचायत, मोहम्मद सऊद, सीमा मिश्रा, दीपचन्द्र राम राष्ट्रीय अध्यक्ष कांशीराम बहुजन दल, चौधरी सुरेश कुमार निर्मल, श्री शिव प्रताप राजपूत पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, रोहित श्रीवास्तव, मेवालाल कन्नौजिया पूर्व प्रत्याशी बसपा, राजेश कुमार मौर्य, पद्माकर मौर्य सिन्टू, अमरदीप मैसी प्रान्तीय अध्यक्ष सफाई कर्मचारी संघ अलीगढ़ सहित सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी के सदस्य बने।

श्री अखिलेश यादव की उपस्थिति में 21 फरवरी को जनपद फिरोजाबाद के आधे दर्जन से अधिक प्रमुख नेता बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। इन्होंने समाजवादी पार्टी की नीतियों और श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में आस्था जताते हुए 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने का संकल्प जताया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद प्रोफेसर रामगोपाल यादव की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में श्री राकेश बाबू एडवोकेट पूर्व विधायक टूंडला, श्री प्रमोद कुमार पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष फिरोजाबाद है। इनके अतिरिक्त टूंडला के ही पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री सुजीत बाल्मीकि, पूर्व सांसद श्री रघुनाथ वर्मा के दोहते श्री अश्विनी वर्मा, भीकनपुर के श्री रवीन्द्र लोधी एडवोकेट एवं श्री राधेश्याम कश्यप तथा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष टूंडला श्री वीरेन्द्र ओझा भी बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

श्री अखिलेश यादव ने इन साथियों के समाजवादी पार्टी में आने का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि 2022 के चुनाव में इनके सहयोग से समाजवादी पार्टी को ताकत मिलेगी।

सदस्यता ग्रहण के मौके पर बसपा के पूर्व विधानसभाध्यक्ष टूंडला श्री शांति स्वरूप ओझा, रैपुरा के श्री लायक सिंह लोधी तथा श्री ओमकार सिंह जाटव, प्रबन्धक आईटीआई भी मौजूद रहे।

वहीं गौतमबुद्धनगर के बसपा कोऑर्डिनेटर श्री मनोज कुमार गौतम ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व एवं समाजवादी पार्टी की नीतियों पर आस्था जताते हुए दिनांक 21 फरवरी को अपने साथियों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इन सभी लोगों ने 2022 में

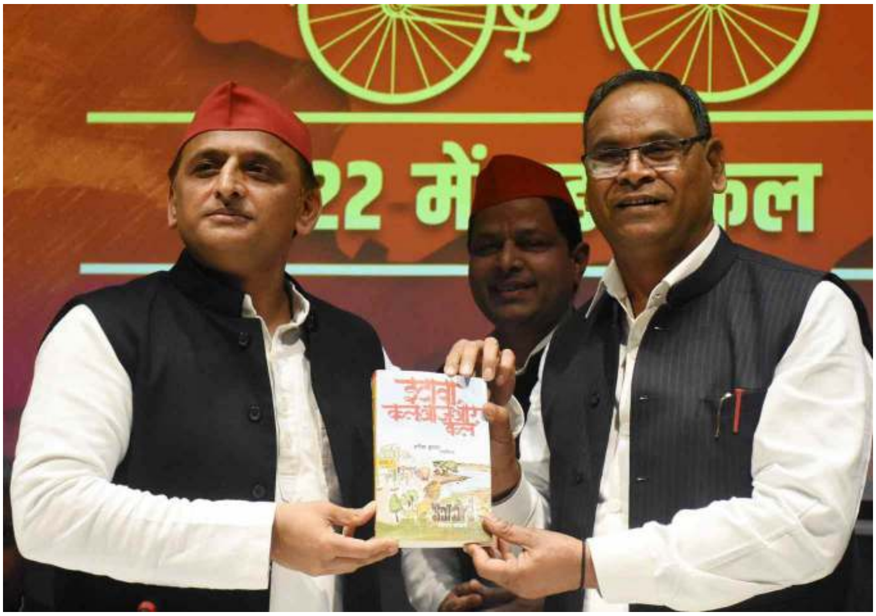

बिना भेदभाव ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ेंगे

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने विभिन्न दलों से नेताओ के सपा में आने का स्वागत करते हुए कहा कि इनके आने से पार्टी का मनोबल बढ़ा है और बूथ पर लड़ने वाले नेता कार्यकर्ता हमें मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की कोशिश रहेगी कि बिना भेदभाव ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जाए। अब समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। पंचायत चुनावों से भी शानदार परिणाम 2022 में आएगा।

श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

बसपा के पूर्व प्रत्याशी लोकसभा गौतमबुद्धनगर श्री मनोज कुमार गौतम के साथ सर्वश्री रंजीत सिंह पूर्व सदस्य एससी-एसटी आयोग भारत सरकार, दिवाकर गौतम कोआर्डिनेटर अलीगढ़-आगरा मण्डल, गुरदीप सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष गुफरान कुरैशी पूर्व जिला महासचिव, बुलन्दशहर तथा कांग्रेस के पूर्व जिला सचिव श्री साजिद सैफी भी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर आस्था जताते हुए 2 मार्च 2021 को कांग्रेस, बसपा और भाजपा के कई प्रमुख नेता अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ

समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व पर आस्था जताते हुए 2 मार्च 2021 को कांग्रेस, बसपा और भाजपा के कई प्रमुख नेता अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। कोरांव, इलाहाबाद से पूर्व विधायक श्री रामकृपाल कोल तथा श्री कामता सिंह बघेल ने कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। वाराणसी के श्री संजीव वर्मा तथा श्री संतोष कुमार सेठ भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

बसपा से त्यागपत्र देकर तिर्वा कन्नौज के श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह स्वर्णकार, अमेठी के डॉ के.डी. पासी, उतरौला बलरामपुर के श्री परवेज उमर अहमद तथा श्री रेहान उमर ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

चौसठ योगिनी
के दर्शन और विरासत की फिक्र

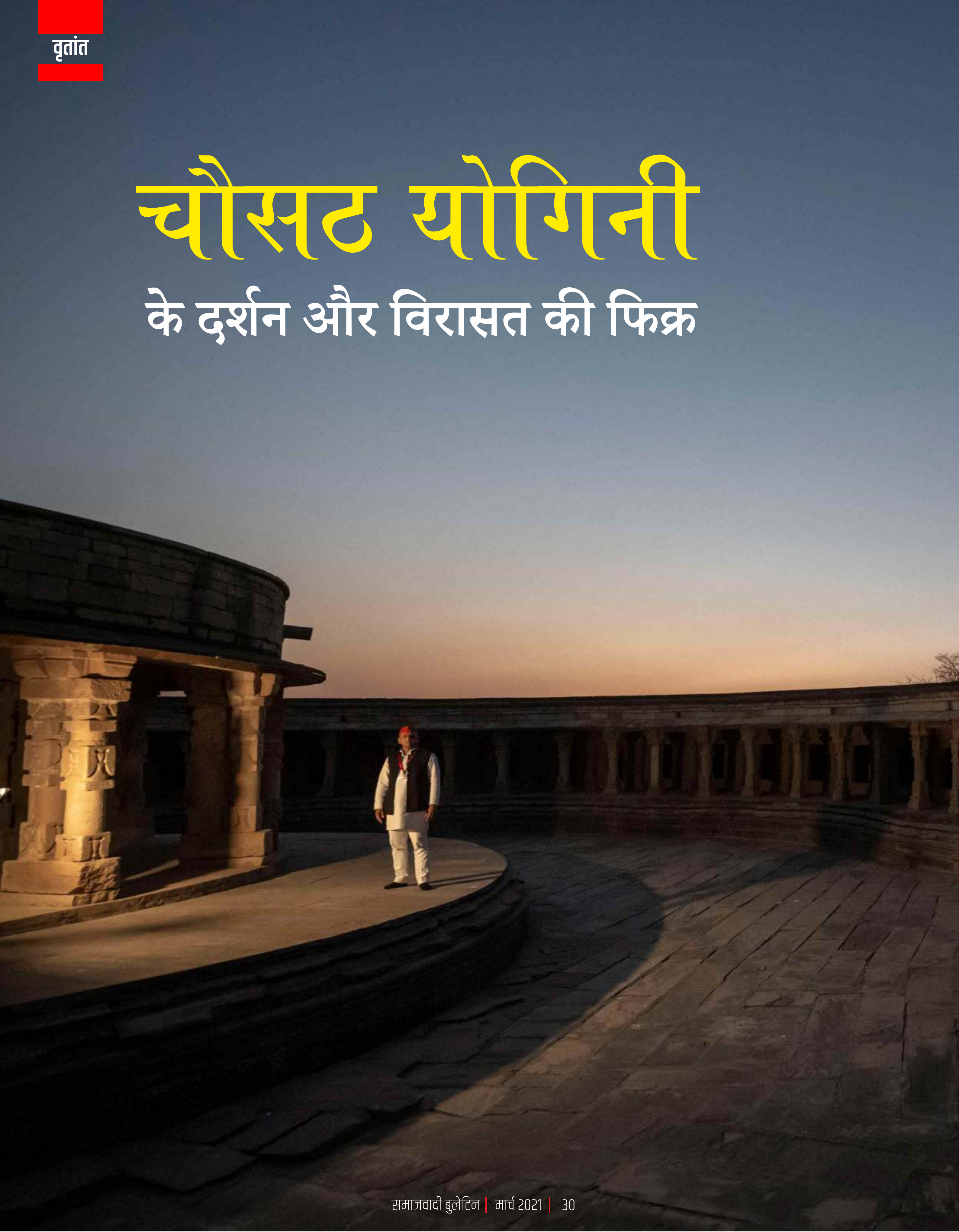

राजेन्द्र चौधरी

राष्ट्रीय सचिव/पूर्व कैबिनेट मंत्री, समाजवादी पार्टी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने मुरैना के चौसठ योगिनी मंदिर जाकर सुखद अनुभव किया। श्री यादव ने इस प्राचीन एवं महत्वपूर्ण मंदिर के इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं की कमी को देखकर दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार को इसके रखरखाव के लिए सर्वोत्तम प्रबंध करना चाहिए। ओरछा में समाजवादी प्रशिक्षण शिविर के समापन के बाद वापसी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव मध्य प्रदेश के मुरैना स्थित चौसठ योगिनी मंदिर के दर्शन करने पहुंचे थे।

श्री अखिलेश यादव की दृष्टि नयी पीढ़ी को समृद्ध विरासत हस्तांतरित करने की है। यही कारण है कि राजनीति से इतर सार्वजनिक जीवन में उनका व्यवहार एवं भूमिका जिम्मेदार सचेत नागरिक के रूप में दिखती है। साहित्य, संस्कृति और परंपराओं को लेकर उनकी दृष्टि एक

संवेदनशील व्यक्ति के रूप में प्रदर्शित होती है। मुरैना स्थित चौसठ योगिनी मंदिर का अवलोकन एवं उसके संरक्षण की चिंता वास्तुकला के प्रति श्री अखिलेश यादव की गंभीरता का उदाहरण है।

चम्बल के बीहड़ों के बीच बना यह मंदिर प्राचीनता और स्थापत्य कला का अनुपम उदाहरण है। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले से 40 किलोमीटर दूर मितावली पहाड़ी में 300 फीट की ऊंचाई पर स्थापित 64 योगिनी मंदिर को इकत्तरसो या इकंतेश्वर महादेव मंदिर भी कहा जाता है। जिसका निर्माण 9वीं सदी में प्रतिहार वंश के राजाओं ने करवाया था। मंदिर प्रांगण में पहले सभी देवी-देवताओं की मूर्तियां थी। एक हजार साल पहले इसकी ख्याति तांत्रिक अनुष्ठान विश्वविद्यालय के रूप में थीं जहां देश-विदेश से लोग शिक्षा ग्रहण करने आते थे। दिल्ली स्थित संसद भवन के वास्तुकार सर एडविन लुटियंस और हरबर्ट बेकर ने पार्लियामेंट की डिजाइन चौसठ योगिनी मंदिर से ही ली थी। संसद भवन का निर्माण 1921 में शुरू होकर 1927 में पूरा हुआ।

श्री अखिलेश यादव की रुचि पुरातात्विक स्थलों के संवर्धन एवं संरक्षण में रही है। बतौर मुख्यमंत्री उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्राचीन स्थलों को प्रमुखता से पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। समाजवादी पार्टी की सरकार में धार्मिक-पौराणिक एवं बौद्ध कालीन स्थलों के उन्नयन को विशेष प्राथमिकता दी गई थी।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने लखनऊ में विधान भवन के सामने उत्तर प्रदेश की जनता के हित में कल्याणकारी फैसलों के लिए लोकभवन का निर्माण कराया था। लोकभवन का वास्तुशिल्प विधानसभा पर ही आधारित है। इसके पीछे जनता को अविलम्ब न्याय दिलाने की मंशा है लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार ने लोकभवन को अन्याय करने वाले फैसलों का केन्द्र बना दिया है।

बीते 4 मार्च 2021 को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के मुरैना आगमन पर चौसठ योगिनी मंदिर में सर्वश्री मुकेश कौरव, संजय कौरव, पवन सक्सेना ने स्वागत किया। यह मंदिर जहां स्थित है उस मितावली ग्राम पंचायत के सरपंच श्री जगमोहन सिंह कौरव ने ग्रामवासियों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव का अभिनंदन किया। श्री यादव ने समाजवादी सरकार बनने पर पुरातात्विक स्थल चौसठ योगिनी मंदिर के विकास में हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

भावी डॉक्टर बोले, आभार अखिलेश जी !

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से सैफई कैफे में एम.बी.बी.एस. के प्रशिक्षुओं ने भेंट कर आभार प्रकट किया। इण्डियन मेडिकोज संगठन के समूह में शामिल प्रशिक्षु डाक्टरों ने कहा कि पिछली समाजवादी पार्टी की सरकार में लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव द्वारा दिए गए लैपटाप से प्री मेडिकल कोर्स उत्तीर्ण करने में उन्हें बड़ी मदद मिली।

मेडिकल छात्रों के समूह का कहना था कि चिकित्सा शिक्षा की बेहतरी के लिये समाजवादी सरकार में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए थे। पूर्व

मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की दूरदर्शी सोच से प्रदेश में मेडिकल काॅलेजों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई। पूरे राज्य में गरीब से गरीब के लिए मुफ्त चिकित्सा सुविधा से भी प्रशिक्षु प्रभावित हैं। समाजवादी सरकार में एक रुपए की पर्ची और पैथोलॉजी टेस्ट फ्री सहित चार गंभीर बीमारियों कैंसर, हृदय, किडनी और लीवर का भी मुफ्त इलाज की व्यवस्था संवेदनशील पहल थी। चिकित्सकीय सुविधाओं को उन्नत करने के साथ एम्स के कुशल संचालन, नीतिगत फैसलों का क्रियान्वयन समाजवादी सरकार में हुआ था।

श्री अखिलेश यादव के चिकित्सा क्षेत्र में सरकार की योजनाओं के लिये उत्तर प्रदेश की जनता सदैव आभारी रहेगी। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कैंसर हॉस्पिटल, मेदांता, मातृ-शिशु रेफरल हॉस्पिटल से प्रतिदिन हजारों मरीजों का आसानी से इलाज हो रहा है। पीजीआई लखनऊ, लोहिया इंस्टीट्यूट और लोहिया हॉस्पिटल की बुनियादी समस्याओं को दूर कर मरीजों के हित में लिये गए फैसले आज भी प्रभावकारी है

सैफई मेडिकल काॅलेज में एम.बी.बी.एस. कर रहे प्रशिक्षुओं ने कहा कि श्री अखिलेश यादव के चिकित्सा क्षेत्र में सरकार की योजनाओं के लिये उत्तर प्रदेश की जनता सदैव आभारी रहेगी। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कैंसर हॉस्पिटल, मेदांता, मातृ-शिशु रेफरल हॉस्पिटल से प्रतिदिन हजारों मरीजों का आसानी से इलाज हो रहा है। पीजीआई लखनऊ, लोहिया इंस्टीट्यूट और लोहिया हॉस्पिटल की बुनियादी समस्याओं को दूर कर मरीजों के हित में लिये गए फैसले आज भी प्रभावकारी है।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने छात्रों के समूह को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाजवादी सरकार आने पर मेडिकल की पढ़ाई कर रहे प्रशिक्षुओं के लिए सुविधाओं में बढ़ोतरी की जाएगी। उनके छात्रावास, मेस एवं चिकित्सकीय उपकरणों में जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

प्रशिक्षु डॉक्टरों के समूह में प्रमुख रूप से सर्वश्री संत बहादुर यादव, विष्णु गुप्ता कानपुर, अंकित, शिवम सिंह चित्रकूट, ललित मौर्य सुल्तानपुर, रोहित कुमार मुरादाबाद, राहुल कुशवाहा बिजनौर, सुधांशु उपाध्याय कासगंज, अर्पित द्विवेदी रायबरेली, मुकुल मिश्र लखनऊ, विनीत यादव मिर्जापुर, अनंजय मिश्रा कानपुर देहात, प्रतीक एवं साहिल कानपुर, रोशन गोरखपुर, उज्जवल यादव एवं अंकित यादव इटावा प्रमुख रूप से शामिल रहे।

भगत सिंह और लोहिया

समाजवादी व्यवस्था के प्रखर पैरोकार

मधुकर त्रिवेदी
वरिष्ठ पत्रकार

23 मार्च की तिथि इतिहास के एक विलक्षण संयोग की भी गवाह है। इस दिन क्रांतिकारी भगत सिंह को अंग्रेजों की जुल्मी सरकार ने फांसी की सजा दी थी तो इसी दिन जन्मे समाजवादी आंदोलन के महानायक डॉ राम मनोहर लोहिया ने शहीद के सम्मान में कभी अपना जन्मदिन नहीं मनाया। दोनों की जीवन रेखा अल्पकालिक थी फिर भी उन्होंने अपने कर्म और विचारों को युगांतरकारी रूप दिया। दोनों ही महापुरुष आज अपने आप में स्वयं इतिहास के स्मरणीय कथानक बन गए हैं।

भगत सिंह और डॉ लोहिया दोनों में भारत की आजादी और व्यवस्था परिवर्तन के लिए तड़प थी। अन्याय और शोषण के खिलाफ दोनों सतत लामबंद रहने वालों में थे। दोनों की आत्मा विद्रोही थी। यह भी अजीब संयोग है कि भगत सिंह और डॉ लोहिया दोनों की प्रारंभिक राजनीतिक शिक्षा-दीक्षा महात्मा गांधी के स्कूल में हुई यद्यपि बाद में उनके रास्ते अलग हो गए। लेकिन यह वैसा ही था जैसे रेल की पटरियां अलग-अलग होते हुए भी गंतव्य तक पहुंचने का माध्यम बनती हैं।

14 वर्ष की आयु में ही भगत सिंह ने सरकारी स्कूलों की पुस्तकों तथा कपड़ों की होली जला दी थी। वे गांधीजी के नेतृत्व में भारतीय नेशनल कांग्रेस के सदस्य थे। 1921 में जब चौरी-चौरा काण्ड के बाद गांधी जी ने अचानक सत्याग्रह स्थगित कर दिया था तो उसके विरोध में वे क्रांतिकारियों के दल में शामिल हो गए थे।

डॉ लोहिया ने 1920 में जब लोकमान्य तिलक की मृत्यु हुई अपने स्कूल में हड़ताल करा दी थी। गांधी जी के आव्हान पर एक वर्ष पढ़ाई छोड़ दी थी। मात्र 16 वर्ष की उम्र में वे खादी पहनने लगे थे।

गांधी जी की अहिंसा और उनके सत्याग्रह की धारणा से न तो भगत सिंह पूर्णतः सहमत थे और न ही डॉ राम मनोहर लोहिया को उसके नैतिक पक्ष पर भरोसा था। भगत सिंह मानते थे कि साध्य के लिए कभी-कभी हिंसा की भी छूट दी जा सकती है। डॉ लोहिया मानते थे कि बंदूक वाली क्रांति और अहिंसा वाली क्रांति ये दोनों एक ही तत्व के दो अलग-अलग बाजू हैं।

भगत सिंह के मन-मस्तिष्क में फ्रांसीसी क्रांतिकारी बेला के ये शब्द गूंजते रहते थे 'बहरों को सुनाने के लिए धमाकों की जरूरत होती है।' 8 अप्रैल 1929 को ब्रिटिश भारत की तत्कालीन सेंट्रल असेम्बली के सभागार में बम और पर्चे फेंककर उन्होंने अंग्रेज सरकार को कड़ी चेतावनी दी थी।

यह स्मरणीय है कि बम धमाका करने के बाद भगत सिंह और साथी बटुकेश्वर दत्त दोनों अपनी जगह खड़े रहे। वे इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। सेशन जज की अदालत में उन्होंने

'हमने बम क्यों फेंके' से अपना उद्देश्य स्पष्ट किया। इस दौर में राजनीतिक बहस भी तेज हुई। गांधी जी ने अपने साप्ताहिक पत्र 'यंग इण्डिया में 'कल्ट ऑफ दि बम (बम संस्कृति) शीर्षक लेख लिखा जिसका जवाब क्रांतिकारियों ने 'बम का दर्शन' पर्चे द्वारा दिया।

अन्याय और शोषण के प्रतिरोध की जो तड़प भगत सिंह में थी उतनी ही तीव्रता डॉ लोहिया में भी थी। अन्याय का तीव्रतम प्रतिकार उनके कर्मों और सिद्धांतों की बुनियाद रही है। वे कभी लकीर के फकीर नहीं रहे। इसी सोच के साथ भगत सिंह और डॉ लोहिया दोनों जाति, साम्प्रदायिकता, समाजवाद पर अपनी-अपनी दृष्टि से विचार करते रहे हैं।

सब जानते हैं लोहिया जी ईश्वर, धर्म, आत्मा, पुनर्जन्म नहीं मानते थे। उन्होंने जाति प्रथा को सभी बुराइयों की जड़ माना था। उनका मानना था कि दलितों और औरतों को ही इनके चक्कर में पिसना पड़ता है और विषमता की जड़ भी इसी चक्र में है। डॉ लोहिया से यह बात गांधीजी ने भी पूछी थी कि क्या तुम ईश्वर में विश्वास करते हो? डॉ लोहिया का जवाब था- नहीं, ईश्वर को मैं नहीं मानता। यद्यपि मैं इतना बेताब भी नहीं हूं कि अपने को ईश्वर को मानने वालों से श्रेष्ठ समझूं। जो ईश्वर में विश्वास करते हैं, साधारण लोग, जो मंदिर-मस्जिद या गिरजाघर में जाकर शांति पाते हैं उन्हें ऐसा करने से रोकूंगा भी नहीं।

भगत सिंह का मानना था कि यदि मनुष्य को एकता और भाईचारे के सूत्र में बांधना है तो मानव समाज को पहले ईश्वर के अस्तित्व से मुक्ति दिलानी होगी। 'मैं नास्तिक क्यों हूॅं' निबंध में भगत सिंह ने लिखा था, सिर्फ विश्वास और अंधविश्वास खतरनाक हैं, ये दिमाग को कुंद बना देते हैं।

डॉ लोहिया सांप्रदायिकता के खिलाफ गांधीजी के अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाते थे। उनका कहना था कि राष्ट्रीयता की और नए भारतीय राज्य की रक्षा के लिए आवश्यक है कि शांति स्थापित हो, भारत में हर मुसलमान अपने को उतना ही सुरक्षित महसूस करें जितना हिन्दू। ऐसा होने पर पाकिस्तान अपने आप कमजोर होगा।

अन्याय और शोषण के प्रतिरोध की जो तड़प भगत सिंह में थी उतनी ही तीव्रता डॉ लोहिया में भी थी। अन्याय का तीव्रतम प्रतिकार उनके कर्मों और सिद्धांतों की बुनियाद रही है। वे कभी लकीर के फकीर नहीं रहे। इसी सोच के साथ भगत सिंह और डॉ लोहिया दोनों जाति, साम्प्रदायिकता, समाजवाद पर अपनी-अपनी दृष्टि से विचार करते रहे हैं

भगत सिंह और उनके दूसरे कई साथियों का मत था कि धार्मिक कट्टरता सांप्रदायिकता की जड़ है। भगत सिंह और डॉ लोहिया दोनों इस मत के थे कि समाजवाद से ही देश की समस्याओं का समाधान हो सकता है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भगत सिंह भारतीय संस्कृति और भारतीय भाषाओं के प्रचार में रूचि लेते थे। गीता से वे बहुत प्रभावित थे। उनकी दृष्टि में मानवता ही सबसे बड़ा धर्म था। आजाद भारत की एक कल्पना भी उनके मन में थी। उनके प्रारंभिक संगठन नौजवान भारत सभा के घोषणा पत्र में कहा गया था 'भविष्य में देश को संघर्ष के लिए तैयार करने का प्रोग्राम इस नारे के साथ शुरू होगा जनता का इंकलाब और जनता के लिए इंकलाब। दूसरे शब्दों में स्वराज जो 98 प्रतिशत जनता के लिए हो।"

जहां तक डॉ लोहिया का सवाल है, भगत सिंह के मुकाबले उनकी शिक्षा-दीक्षा और चिंतन धारा बहुत बेहतर थी। भगत सिंह खुद मानते थे कि वे विश्व की अन्य क्रांतियों व वैश्विक स्थिति का ज्यादा अध्ययन नहीं कर पाए थे। स्वाध्याय से ही उन्होंने अपना जीवन दर्शन तैयार किया था।

भगत सिंह ने एक स्थान पर लिखा था कि 'यह जरूरी नहीं कि बम और पिस्तौल वाला आदमी ही क्रांतिकारी हो' इस दृष्टि से अपने आचार विचार और कर्म में डाक्टर राममनोहर लोहिया किसी क्रांतिकारी से कम नहीं थे। अन्याय-शोषण के खिलाफ उनके अंदर आग सुलगती रहती थी। समाजवादी आंदोलन को पैनी धार देने का श्रेय उन्हें ही जाता है।

डॉ लोहिया के एक जीवनी लेखक श्री ओंकार शरद ने लिखा है कि वे मूलतः राजनीतिक विचारक, चिंतक और स्वप्नद्रष्टा थे। लेकिन उनका चिंतन राजनीतिक दायरे तक कभी सीमित नहीं रहा। भाषा आदि के बारे में भी उनके मौलिक विचार थे। वे अपने को विश्व नागरिक मानते थे। उनकी सप्तक्रांति की कल्पना अनूठी है। भारतीय संस्कृति के वे नए व्याख्याता थे।

प्रो रामगोपाल यादव ने 'डॉ राम मनोहर

लोहिया और उनका समाजवाद' पुस्तक में लिखा है कि 'लोहिया ने पूंजीवाद और मार्क्सवाद दोनों की निरर्थकता सिद्ध करके समाजवाद को एक नया आधार प्रदान किया, न मार्क्सवाद का विरोध न समर्थन। डॉ लोहिया स्पष्ट मानते थे कि भारतीय समाजवाद को अपना आधार पूंजीवाद या साम्यवाद को नहीं वरन गांधीवाद को बनाना चाहिए। उन्होंने समाजवाद के चार लक्ष्य निर्धारित किए पहला प्रशासन का जनतंत्रीकरण (चौखम्बा राज की कल्पना) दूसरा छोटी मशीन का उपयोग, तीसरा सम्पत्ति का समाजीकरण और चौथा अधिकतम संभव समानता। संभव बराबरी को लाने के लिए अधिकतम और न्यूनतम आमदनी और खर्च पर नियंत्रण।

डॉ लोहिया के समाजवादी स्वप्न के प्रमुख मुद्दे जाति तोड़ों, नर-नारी समता, अंग्रेजी हटाओं, दाम बांधो, भारत-पाक एका, गैरबराबरी का विरोध भी रहे। सिविल नाफरमानी का नारा बना था- 'मारेंगे नहीं पर मानेंगे भी नहीं।'

वस्तुतः डॉ लोहिया के लिए राजनीति अल्पकालीन धर्म और धर्म दीर्घकालीन राजनीति था. उन्होंने साहस के साथ समाजवाद में धर्म ही नहीं लोकतंत्र और व्यक्ति की गरिमा के प्रश्न को भी जोड़कर एक नई वैचारिक पीठिका तैयार की थी।

भगत सिंह और डॉ राम मनोहर लोहिया इतिहास के इस और उस ओर खड़े दो ऐसे महानायक हैं जिनकी वैचारिकी और कर्म ने लाखों-करोड़ों लोगों को प्रेरणा दी है। समसामयिकों ने भले ही भगत सिंह और डॉ लोहिया को तब सही से न समझा हो पर आज उनकी वैचारिकी के धरातल पर परिवर्तन की चिंगारियां छिटकने लगी हैं। समाजवादी आंदोलन नए तेवर, नई युवा शक्ति एवं एक नई ऊर्जा के साथ फिर यथास्थिति, प्रतिक्रांतिकारिता और सड़ी-गली मान्यताओं के विरुद्ध अपनी जोरदार दस्तक देने लगा है।

किसानों की भीड़ का स्पष्ट संदेश

*समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को सुनने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आयोजित किसान महापंचायतों में जबरदस्त भीड़ उमड़ रही है। मार्च महीने के पहले पखवाड़े में अलीगढ़ के टप्पल और कासगंज में आयोजित इन महापंचायतों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भाजपा सरकार के खिलाफ किसानों में भारी गुस्सा है और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए समाजवादी पार्टी से ही उम्मीद है। किसानों की बेहतरी से जुड़े मुद्दों पर समाजवादी पार्टी की निरंतर सक्रियता पर पेश है **दुष्यंत कबीर** की यह **विशेष रिपोर्ट:***

कासगंज: सपा-महान दल की साझा किसान महापंचायत

केन्द्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों की आवाज को आगे बढ़ाते हुए समाजवादी पार्टी ने 13 मार्च को कासगंज में एक विशाल किसान महापंचायत का आयोजन किया। इसका आयोजन महान दल के सहयोग से किया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने इसे मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया।

महापंचायत में लाखों किसान, नौजवान मौजूद थे। महान दल के अध्यक्ष श्री केशव देव मौर्य ने अपने समर्थकों से कहा कि वे साइकिल निशान लेकर आने वाले किसी भी प्रत्याशी का पूरा समर्थन करें। हम सब एकजुट

होकर सन् 2022 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे। उन्होंने नारा दिया- 'महान दल ने ठाना है, समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना है।

महापंचायत को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में कोई नहीं बचा है जिसे परेशानी न हुई हो। भाजपा को परवाह नहीं कि किसान क्या चाहते हैं। नौजवानों का भविष्य अंधकार में है। किसान-नौजवान दोनों को भाजपा सरकार ने अपमानित किया है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी देश को आगे ले जाना चाहते हैं जबकि भाजपाई पीछे ले जाना चाहते हैं। यूपी के मुख्यमंत्री का सबसे बड़ा काम है नाम बदलना। वे अपने किए उद्घाटन का भी उद्घाटन कर देते हैं। अब किसान और नौजवान मिलकर भाजपा सरकार को कुर्सी से उतारने के लिए संकल्पित है। वहीं लोकतंत्र को बचाएंगें और भाजपा के जाने पर ही किसान विरोधी कानून वापस होंगे। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर लोगों की तरक्की और खुशहाली के रास्ते खुलेंगे।

किसान महापंचायत में पूर्व सांसद श्री सलीम शेरवानी, धर्मेन्द्र यादव, रामजी लाल सुमन, चौधरी ब्रजेन्द्र सिंह, कासगंज जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, राकेश राजपूत के अतिरिक्त एमएलसी डॉ राजपाल कश्यप तथा उदयवीर सिंह भी मौजूद रहे। श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी कार्यालय का शिलान्यास किया। उन्हें स्मृतिचिह्न तथा शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा किसानों के आंदोलन को बदनाम कर रही है। उन्हें देशद्रोही, आतंकवादी, गुण्डा, दलाल, चीन-पाक के एजेंट तक कहा गया है। किसान हक मांग रहे है और भाजपा सरकार आंख-कान बंद किए हुए है। इतना अपमान कभी किसानों का किसी सरकार ने नहीं किया। भाजपा सरकार ने उद्योगपतियों के लाभ के लिए किसानों पर तीन कृषि कानून थोप दिए। जिनके पास खेत नहीं वह किसानों के लिए कानून बना रहे हैं। किसान अपनी फसल और जमींन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह परिवर्तन की लड़ाई है। सभी लोगों को जोड़कर यह काम किया जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि हम सबको भाजपा के साथ अन्य दलों से भी सावधान रहना होगा। भाजपाई साजिशें करते हैं। नफरत फैलाते हैं। हमें समझदारी से काम करना होगा। समाजवादी पार्टी किसी बड़े दल से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा हम आप दोनों धोखा खाए हैं। अब आगे धोखा नहीं खाएंगे, बल्कि धोखा देने वालों को सबक सिखाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार झूठे आंकड़े बताती है। वह नहीं बताती कि एमएसपी कितने किसानों को मिला? महंगाई बढ़ी है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से अन्य दूसरे सामान भी महंगे हो गए हैं। बिजली का

उत्पादन एक भी यूनिट नहीं किया गया और नहीं एक बिजली घर लगाया गया। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर किसानों को फसलों का लाभकारी मूल्य मिलेगा। नौजवानों को नौकरी रोजगार दिया जाएगा। सरकार तो रेल, हवाई अड्डा, बंदरगाह, सभी कुछ बेच रही है। इसी तरह ईस्ट इंडिया कंपनी आई थी जो व्यापार करते-करते सरकार बन गई और अंग्रेजों ने भारत को गुलाम बना लिया। अब भाजपा के लोग सरकार को कंपनी बना रहे हैं। भाजपा सबको धोखा देती है। अब इसे सबक सिखाने के लिए लोगों ने दृढ़ इरादा कर लिया है।

टप्पल: भारत के भविष्य से जुड़ा है किसान आंदोलन

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने अलीगढ़ के टप्पल में 5 मार्च 2021 को आयोजित समाजवादी पार्टी की किसान महापंचायत में नए कृषि कानूनों को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। किसान महापंचायत में जबरदस्त भीड़ उमड़ी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन देश के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि सपा को जब मौका मिलेगा प्रदेश और देश से इस कानून को खत्म कर देगी। जब तक दिल्ली से यह काला कानून वापस नहीं हो जाता, तब तक लड़ाई लड़ते रहेंगे।

सपा की इस विशाल किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग किसान हैं। किसानों का दर्द समझते है। किसान आंदोलन में सबसे पहले जेल समाजवादी पार्टी के लोग गए। हम पूरी ईमानदारी से इस आंदोलन के साथ खड़े हैं। उन्होंने पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी के किसानों को आंदोलन के लिए बधाई देते हुए कहा कि किसानों ने पूरे देश के किसानों को जगाने का काम किया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश को बर्बाद करने वाले फैसले लिए है। नोटबंदी और जीएसटी का परिणाम देश भुगत रहा है। काले कृषि कानूनों से किसानों की फसल तो बर्बाद ही हो जाएगी, जमीन भी छिन जाएगी। भाजपा के लोग किसान नहीं हैं। उनके फैसले उद्योगपतियों के लिए हैं। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को तरह-तरह से अपमानित करने का काम किया लेकिन तमाम अपमान सहकर भी किसान अपने हक व देश के हित के लिए डटा है। किसान एमएसपी की गारंटी चाहता है, सरकार क्यों नहीं देना चाहती।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना में सब कुछ ठप हो गया लेकिन उस दौर में भी किसान ने मेहनत करके फसल पैदा किया। किसानों ने देश को बचा लिया। अगर किसानों ने खेतों में काम न किया होता तो आज देश बर्बाद हो जाता। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि दौ सौ ज्यादा किसान शहीद हो गए लेकिन भाजपा सरकार के आंख और कान बंद हैं। डीजल-पेट्रोल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। महंगाई चरम पर

पहुंच रही है। इस महंगाई में भी किसान को ट्रैक्टर लेकर आंदोलन में निकलना पड़ा। उसे रोकने के लिए भाजपा सरकार ने बार्डर की तरह दीवार लगा दी। कील ठोंक दी। तार लगा दिए। सरकार किसानों को दिल्ली जाने से रोक रही है। यादव ने कहा कि भाजपा सरकार समझ ले किसान अपनी एड़ी की ठोकर से जमींन ठीक कर देता है। वह ऐसी ठोकर मारेगा कि भाजपा सरकार का पता नहीं लगेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सपा ने सत्ता में रहते किसानों को मजबूत किया। राहत दी। हम सरकार में आने पर मंडिया बनाएंगे। भाजपा सरकार को घमंड हो गया है। इसका घमंड अब किसान ही तोड़ेगा। उन्होंने कहा अमेरिका जैसा तकतवर देश भी अपने किसानों की मदद करता है। किसान को नुकसान नहीं होने देता है। लेकिन भाजपा सरकार ने किसानों को बाजार पर छोड़ दिया है। किसान को बाजार के हवाले नहीं किया जा सकता है।

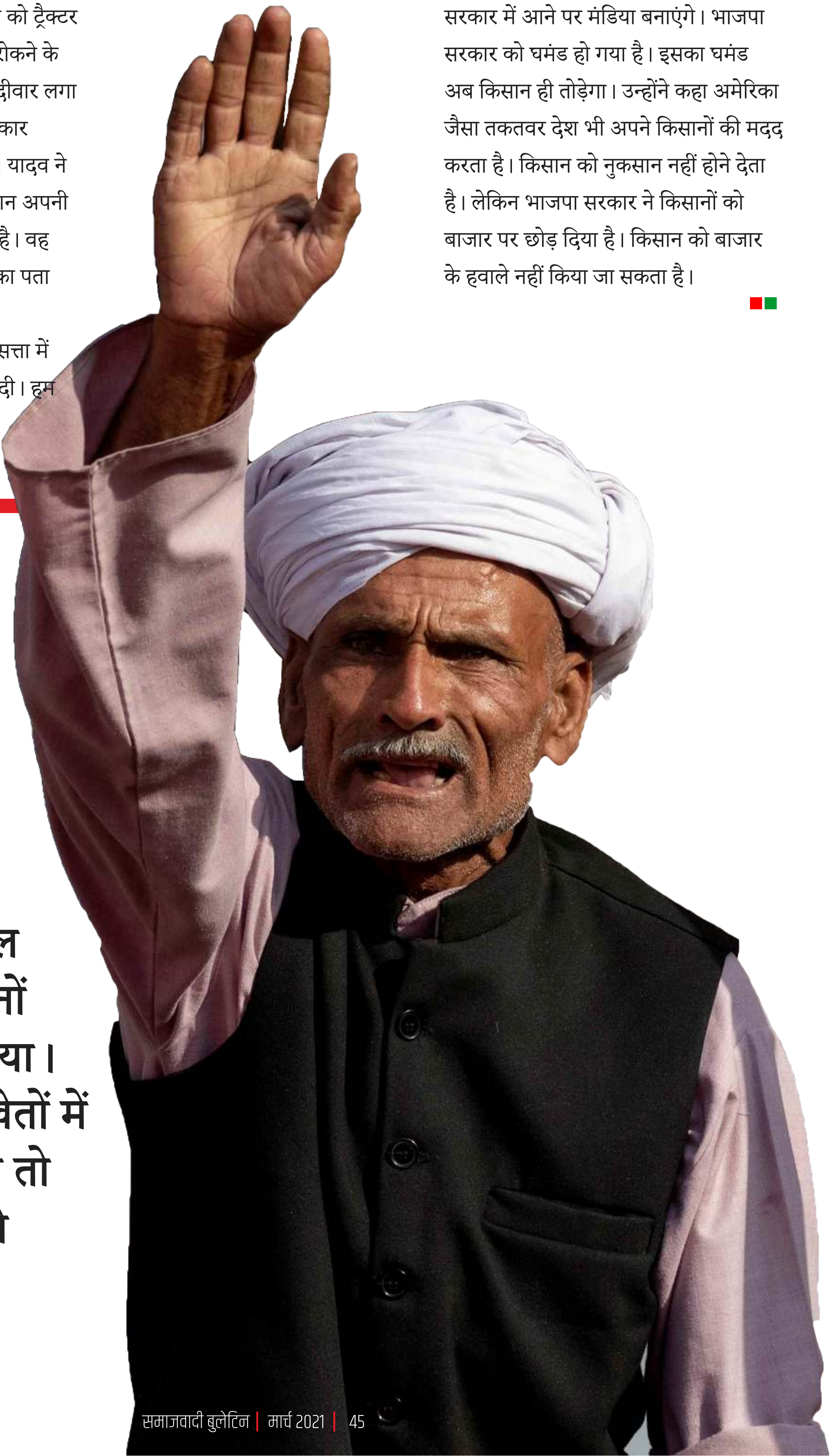

वैश्विक महामारी कोरोना में सब कुछ ठप हो गया लेकिन उस दौर में भी किसान ने मेहनत करके फसल पैदा किया। किसानों ने देश को बचा लिया। अगर किसानों ने खेतों में काम न किया होता तो आज देश बर्बाद हो जाता

ट्रैक्टरों से डर गई भाजपा सरकार!

बुलेटिन ब्यूरो

भाजपा सरकार द्वारा किसानों पर हो रहे अत्याचार, एमएसपी पर धान खरीद न होने, ऐतिहासिक बेरोजगारी एवं महंगाई की आग में जल रही जनता के समर्थन में समाजवादी पार्टी द्वारा सड़क पर उतर कर चलाए जा रहे आंदोलन को पार्टी ने सदन में भी जोरशोर से उठाया। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र में समाजवादी पार्टी के विधायकों एवं विधानपरिषद सदस्यों ने दोनों सदनों में किसानों के हक में आवाज उठाते हुए सरकार को घेरा।

किसानों के हक में आवाज बुलंद करने के लिए सपा के विधायकों ने 18 फरवरी 2021 के ट्रैक्टर से विधान भवन की ओर कूच किया। समाजवादी पार्टी के विधायकों सर्वश्री आनन्द भदौरिया, उदयवीर सिंह, डॉ संग्राम सिंह, श्री अमिताभ बाजपेयी, डॉ राजपाल कश्यप, श्री रामवृक्ष यादव, श्री सुनील सिंह साजन और राजेश यादव राजू ट्रैक्टरों से विधान भवन तक पहुंचे लेकिन उत्तर प्रदेश की निरंकुश सरकार एवं दंभी मुख्यमंत्री को किसानों के हक में आवाज उठाया जाना रास न आया।

नतीजतन सरकार के इशारे पर पुलिस ने दुर्व्यवहार कर ट्रैक्टरों को रोक दिया। जो कि लोकतांत्रिक अधिकारों की हत्या एवं समाजवादी पार्टी विधायकों के प्रति भाजपा की विद्वेषपूर्ण नीति-रीति की भी परिचायक थी। विधायकों को अपमानित करने के अलावा ट्रैक्टर जब्त कर लिये गए। उनके ड्राइवरों की बुरी तरह पिटाई की गई है। सत्ता के हर अन्याय और अत्याचार का उत्तर जनता अवश्य मांगेगी। विधायकों को अपमानित करने की यह निंदनीय परम्परा भाजपा सरकार ने डाली है जिसका उसे भी भुगतान करना होगा।

सपा के विधायकों के साथ इस दुर्व्यवहार की समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कड़ी निन्दा की है। उन्होंने कहा कि चाहे केन्द्र की 'कील ठोको' भाजपा सरकार हो या उत्तर प्रदेश की 'ठोक दो, और 'राम नाम सत्य' कर देने वाली भाजपा सरकार ये सभी किसान आंदोलन के साथ खड़े जनसमर्थन से डरकर किसानों के प्रतीक तक से भयभीत हो उठे हैं। यह डर ही है जो भाजपा सरकार को आक्रांत किए हुए है। इसमें वे उचित-

"किसान धोखे का जवाब अपने वोट से देंगे"

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है भाजपा ने किसानों के आंदोलन के प्रति उपेक्षा भाव शुरू से ही अपना रखा है। किसानों की मांगे माने जाने का तनिक भी संकेत प्रधानमंत्री स्तर से आज तक नहीं मिला है। इसमें सिर्फ कारपारेट का ध्यान रखा गया। इसी का नतीजा है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश तक जनता किसानों के साथ है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में गन्ना किसानों पर चीनी मिलों को ऐतिहासिक दस हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का बकाया है लेकिन मुख्यमंत्री जी को इसकी फिक्र नहीं है। 4 साल में गन्ने के दाम एक रूपया भी न बढ़ाने वाली भाजपा सरकार के चार दिन ही बचे है। किसान धोखे का जवाब अपने वोट से देगें।

श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जब

अनुचित का भेद भी भूल गए हैं और जनता के अधिकारों को भी कुचलने की कुचेष्टा की जा रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा विधानमंडल सत्र में भाग लेने जाते समय समाजवादी विधायकों की गिरफ्तारी और पुलिस दुर्व्यवहार ने जता दिया है कि भाजपा अपनी जमीन खो चुकी है। समाजवादी पार्टी से जनआकांक्षाओं को वाणी मिल रही है। जब 2022 में विधानसभा चुनाव होंगे तो जनता का एक-एक वोट समाजवादी पार्टी को मिलेगा। किसान विरोधी, भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल करने का मन लोगों ने बना लिया है। समाजवादी पार्टी विधायकों के साथ पुलिस की बदसलूकी से भाजपा सरकार का तम्बू उखड़ना तय है।

किसान अंग्रेजों के जबरन लगाए गए लगान के खिलाफ लड़ाई लड़ते थे तो उन पर जुल्म ढाए जाते थे। आज जब किसान मोदी सरकार के काले कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं तो उन्हें भी प्रताड़ित किया जा रहा है। भाजपा और उनकी सरकारें लोकतंत्र का गला घोंट रही है और अंग्रेजों के नक्शे कदम पर चल रही है। भाजपा सरकार में तनिक भी लोकतांत्रिक मर्यादा और संविधान के प्रति आस्था हो तो उसे अपने कृषि कानून वापस ले लेने चाहिए।

यूपी सरकार का बजट झूठ का दस्तावेज

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए भाजपा सरकार का बजट पूर्णतया निराशाजनक और जनहित की घोर उपेक्षा करने वाला है। भाजपा ने अपने चरित्र के अनुसार इसमें जनता को गुमराह करने वाली घोषणाएं की है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने जाते-जाते झूठे वादों की झड़ी लगाई है और किसानों, नौजवानों, महिलाओं तथा व्यापारियों सभी को धोखा दिया है। भाजपा के बजट से गरीबों को नहीं अमीर उद्योगपतियों को और ज्यादा लाभ मिलेगा। बढ़ती मंहगाई पर नियंत्रण का कोई संकेत नहीं है। इसलिए अब भाजपा का खेल खतम और पैसा हजम।

श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी' पेपर लेस' का बड़ा बखान कर रहे थे परन्तु हकीकत में यह भी नज़र आया कि टेबलेट से बजट गायब हो

भाजपा सरकार के इस पेपरलेस बजट में किसान, मजदूर, युवा, महिला व कारोबारी किसी के भी हाथ कुछ नहीं आया, रह गए सबके हाथ खाली। भाजपा का ये 'विदाई बजट' सबको रूला गया है

गया और पहली बार ऐसा हुआ कि विधायकों को बजट की जानकारी सुनकर ही मिली। बजट में विकास की दिशा ही नदारद है। काम करने के बजाय जुमलेबाजी से काम चलाया जा रहा है। भाजपा जो वादे करती है, वह पूरा नहीं कर पाती है।

उन्होंने कहा कि आज किसान संकट में है, वह परेशान है। डीजल-पेट्रोल की कीमतें आसमान छू रही है। सरकार मुनाफा कहां ले जा रही है? गंगा नहीं साफ हुई है। लेकिन बजट साफ हो गया। बजट में गन्ना किसानों के बकाया भुगतान के बारे में कोई घोषणा नहीं है। फसल की एमएसपी नहीं मिली। दुग्ध समितियों का 2 साल से पैसा बकाया है, उसके भुगतान का कोई प्रावधान इस बजट में नहीं है। सरकार ने पूरी तरह ढोंगी बजट पेश किया है।

भाजपा सरकार के तमाम हो-हल्ले के बावजूद आधार संरचना के लिए कम राशि के आवंटन से स्पष्ट है कि सरकार जनहित की योजनाओं के बारे में कोई स्पष्ट दृष्टि नहीं रखती है। रोजगार के नए अवसर सृजित करने में भाजपा सरकार फेल हुई है। बढ़ती ऊर्जा की आवश्यकताओं को भाजपा ने बजट में अनदेखी की है। सामाजिक सुरक्षा के उपक्रमों पर ध्यान नहीं दिया गया है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया ने कहा कि सच तो यह है कि भाजपा सरकार के इस पेपरलेस बजट में किसान, मजदूर, युवा, महिला व कारोबारी किसी के भी हाथ कुछ नहीं आया, रह गए सबके हाथ खाली। भाजपा का ये 'विदाई बजट' सबको रूला गया है। इस बजट से जनता की परेशानियां कम नहीं होंगी बल्कि भाजपा सरकार के खिलाफ लोगों का आक्रोश ज्यादा बढ़ेगा। जब भाजपा सत्ता से बेदखल होगी और समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तभी जनहित की योजनाएं गति पाएंगी और लोगों में खुशहाली आएगी।

आधी आबादी पूरा दम

'समाजवादी महिला घेरा' का सफल आयोजन

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की प्रथम राज्यपाल एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रीमती सरोजिनी नायडू की जयंती एवं राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 13 फरवरी 2021 को उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में समाजवादी पार्टी के कार्यालयों में महिलाओं की सुरक्षा, मान सम्मान, बेरोजगारी, शैक्षिक क्षेत्र की समस्याओं एवं अन्य मुद्दों पर 'समाजवादी महिला घेरा' कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजित हुआ।

बड़ी संख्या में महिलाओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया और महिलाओं से सम्बन्धित मसलों पर चर्चा की। समाजवादी पार्टी की सरकार के समय महिला कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। 'समाजवादी महिला घेरा' का आयोजन कर महिलाओं द्वारा भाजपा सरकार से मुक्ति का संकल्प लिया गया। समाजवादी पार्टी का आह्वान है कि 2022 में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के अभियान में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

उल्लेखनीय है कि महिलाओं की भाजपा सरकार में बड़ी दुर्दशा हुई हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध और बलात्कार की घटनाएं बढ़ी है। महिला स्वास्थ्य सेवाओं में कमी की वजह से प्रसूति सेवाओं में कमी और पोषण की समस्या भी पैदा हुई है। शिक्षिका, आशा-आंगनबाड़ी और अन्य नौकरियों में वेतन विसंगति के साथ

महिला सम्मान के लिए समाजवादी प्रतिबद्ध

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'नारी शक्ति' को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि आधी आबादी के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के लिए समाजवादी प्रतिबद्ध हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में बढ़ते महिला अपराध, महिला स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, मंहगाई, शिक्षा में उपेक्षा, गरीब निराश्रित महिलाओं की पेंशन आदि समस्याओं को लेकर 13 फरवरी 2021 को 'समाजवादी महिला घेरा' कार्यक्रम चलाकर भाजपा सरकार में महिलाओं के साथ हो रहे उपेक्षापूर्ण व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाई।

भाजपा सरकार में महिलाओं के प्रति अपराधों में बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री कभी एंटी रोमियो स्क्वाड, कभी पिंकबूथ और कभी मिशन शक्ति की खोखली घोषणाओं के जरिए बहकाने का काम करते हैं। महिलाओं के बुनियादी मुद्दों पर कभी भाजपा सोचती नहीं। भाजपा नेतृत्व की पुरूष प्रधान मानसिकता के चलते महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय सेवाओं के बावजूद वेतन, पदोन्नति और कार्यव्यवहार में विसंगतियों का सामना करना पड़ता है।

नेशनल क्राइम ब्यूरो की रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के प्रति अपराधों में बढ़त को रेखांकित किया गया है। भाजपा सरकार के कारण उत्तर प्रदेश की बदनामी अब राष्ट्रीय स्तर पर भी हो रही है। प्रदेश में हर रोज बहन बेटियों की अस्मत लूटी जा रही है।यहां तक की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भी उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा की दयनीय स्थिति बयां करती खबरें सामने आयीं।

बदायूं में आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने चौकी में दो गरीब निराश्रित महिलाओं के पेंशन की भी समस्या है। बैंकों में घटती ब्याज दर से घरेलू बचत को प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। महिलाओं की घरेलू अर्थ व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। शिक्षा और राजनीति में महिलाओं की उपेक्षा चिंताजनक है।

वहीं श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी सरकार के कार्यकाल में अपने मुख्यमंत्रित्व काल में

महिलाओं की भाजपा सरकार में बड़ी दुर्दशा हुई हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध और बलात्कार की घटनाएं बढ़ी है। महिला स्वास्थ्य सेवाओं में कमी की वजह से प्रसूति सेवाओं में कमी और पोषण की समस्या भी पैदा हुई है। शिक्षिका, आशा-आंगनबाड़ी और अन्य नौकरियों में वेतन विसंगति के साथ गरीब निराश्रित महिलाओं के पेंशन की भी समस्या है

सिपाहियों समेत चार लोगों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया। वहीं चौरीचौरा में महिला की गला दबाकर हत्या की गई। एटा में घर में घुस कर महिला से दुष्कर्म की खबर आयी। आगरा में जिले के थाना बाह क्षेत्र में घर में घुस कर मां-बेटी की हत्या कर दी गई, जिसमें युवती की भाभी भी हमले में घायल हुई। ताजनगरी आगरा में हर दिन 16 महिलाएं उत्पीड़न का शिकार हो रही हैं। भाजपा सरकार में पुलिस का इस्तेमाल सिर्फ विरोधियों को फंसाने के लिए हो रहा हैं तो महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? समाजवादी पार्टी की सरकार ने महिलाओं के सम्मान-सुरक्षा के लिए जो कदम उठाए थे भाजपा सरकार ने उन पर भी स्याही डाल दी है।

समाजवादी पार्टी की सरकार में ही रानी लक्ष्मी बाई सम्मान, महिला पेंशन, कन्या विद्याधन, लैपटॉप के साथ महिलाओं से संबंधित अपराधों की रोकथाम के लिए 1090 वूमेन पावर लाइन सेवा शुरू हुई थी। तेजाब के हमलों की शिकार युवतियों को तीन-तीन लाख रुपए की सहायता सहित उनके मुफ्त इलाज की व्यवस्था भी समाजवादी पार्टी की सरकार के समय हुई थी। गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने-ले जाने के लिए 102 नेशनल एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई थी। गर्भवती महिलाओं के पोषक आहार की भी व्यवस्था हुई थी।

समाजवादी पार्टी की सरकार में श्री अखिलेश यादव ने पूरे प्रदेश में सस्ते सेनेटरी नैपकिन की निर्माण यूनिट की स्थापना को प्रोत्साहित किया था। ग्रामीण महिलाओं में स्वच्छता और स्वास्थ्य की समस्या को दूर करने हेतु पहले चरण में कन्नौज, महोबा एवं बाराबंकी में सस्ते सेनेटरी नैपकिन बनाने वाली सेमी ऑटो मशीन स्थापित की गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाजपा सरकार ने महज दिखावे के लिए नारी शक्ति का नाम लिया। भाजपा के लिए महिलाओं के प्रति सम्मान प्रदर्शन भी राजनीतिक स्वार्थ साधने और वोट जुटाने का एक जरिया है।

महिला हेल्पलाइन 181 तथा महिला पावर लाइन 1090 की व्यवस्था की थी। हेल्प लाइन 181 से प्रसूताओं को अस्पताल लाने ले जाने की सुविधा थी जबकि 1090 सेवा महिलाओं से सम्बन्धित अपराध नियंत्रण में सहायक थी।

'समाजवादी महिला घेरा' के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी कार्यालय, लखनऊ में स्वतंत्रता सेनानी, प्रथम महिला राज्यपाल एवं कवयित्री श्रीमती सरोजिनी नायडू की देश के लिए की गई सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्री यादव ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के लिए समाजवादी पार्टी हमेशा संघर्षशील रही है। समाजवादी पार्टी महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लोकतंत्र को ताकत मिली लेकिन भाजपा सरकार लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। भाजपा साजिश के तहत लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रासंगिकता समाप्त कर रही है। देश आज संक्रमण के दौर में है। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर हमला किया जा रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे एकजुटता के साथ इस बार 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में 90 प्रतिशत मतदान कराने का संकल्प लें। इसके लिए अभी से बूथ स्तर तक पूरी तैयारी करें। भाजपा की साजिशों के प्रति सावधान रहें और जनता के बीच जाकर समाजवादी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करें।

इस अवसर पर अनेक कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे 2022 के चुनाव में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाकर स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को पूरा करेंगे। प्रदेश के कोने-कोने में वे समाजवादी विचारों का प्रचार प्रसार करेंगे और समाजवादी सरकार बनाएंगे।

भाजपा राज में नारी असुरक्षित

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार कानून का शासन स्थापित करने में पूरी तरह फेल रही है। न तो पुलिस-प्रशासन सुचारू रूप से कार्य कर रहा है और न ही भाजपा सरकार की भयमुक्त वातावरण स्थापित करने की कोई मंशा है। आये दिन महिलाओं के खिलाफ अपराध की बढ़ रही घटनाओं से सूबे की साख गिर रही है।

उन्नाव में जंगल में पेड़ में बांधकर दो दलित लड़कियों की हत्या कर दी गयी और एक को अति गम्भीर हालत में अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। पीलीभीत में चार साल की मासूम के साथ दुष्कर्म और एटा में किशोरी से उत्पीड़न की घटनाएं यूपी के लिए शर्मनाक हैं।

"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" का नारा बुरी तरह खोखला साबित हुआ है। भाजपा राज में बहन, बेटी और महिलाओं का जीवन मुश्किल में है। प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर कोई नियंत्रण नहीं है। रोज बहन बेटी की अस्मत लूटी जा रही है। समाजवादी पार्टी की सरकार ने अपराध नियंत्रण के लिए यूपी डायल 100 तथा 1090 जैसी योजनाएं लागू की थीं। भाजपा सरकार ने इन योजनाओं पर भी पानी फेर दिया है और अब वह पिंक बूथ, नारी शक्ति जैसे टोटकों से लोगों को बहकाने में लगी है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री को कानून व्यवस्था को लेकर कोई चिंता नहीं है। उनका पूरा समय सिर्फ कहीं और बीत रहा है। भाजपा के कारण महिलाओं और बेटियों के लिये यूपी सबसे असुरक्षित प्रदेश बन गया है। यह सूबे की जनता के लिए डरावना संदेश है। दिन दहाड़े बलात्कार, छेड़खानी और महिला उत्पीड़न पर अंकुश लगाने में प्रदेश सरकार पूरी तरह विफल है।

दरअसल भाजपा सरकार की महिला सुरक्षा के प्रति कोई नीति नहीं है। भाजपा की विचारधारा आधी आबादी को उपेक्षा से देखती हैं, महिला सम्मान और सुरक्षा की सभी

व्यवस्थाओं को मौजूदा सरकार ने ध्वस्त कर दिया है।उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा द्वारा दिये गये पिछले विधानसभा के चुनावी नारे 'बहुत हुआ नारी पर वार' की सच्चाई जानना चाहती है।

एटा में दो मासूम बच्चियों से दरिंदगी, अलीगढ़ में युवती से सामूहिक दुष्कर्म, महोबा में एक बेटी के साथ गैंगरेप, अमरोहा में भी युवती से सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं के साथ वीवीआईपी जनपद गोरखपुर में एक नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म होना जताता है कि पुलिस तंत्र का मनोबल कितना गिरा हुआ है। बुलंदशहर में छह दिन से लापता किशोरी की हत्या। मुरादाबाद में ट्रांसपोर्टर की बेटी की हत्या कर शव फेंका गया। संभल में दुष्कर्म पीड़िता को लगातार मिल रही धमकी, न्याय न मिलने के चलते खुदकुशी की घटना दुखद है, साथ ही अत्याचार की सभी हदें पार होने का नमूना भी।

राजधानी लखनऊ में महिला उत्पीड़न की घटनाएं थम नहीं रही है। बाबा साहब डाॅ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ में एक छात्रा से सरेराह छेड़छाड़ हुई, विरोध पर भाई को पीटा गया। सूचना के घंटों बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में एक युवक की पिटाई के बाद गले से

चेन लूट ली गई। अपराध के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों से सम्बन्धित अपराध की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। आगरा में भाजपा नेता ने नौकरानी से छेड़छाड़ की। ओहदा का रूतबा दिखाकर पीड़ित को ही समझौते के लिए परेशान किया जा रहा है। बरेली में 12 साल की बच्ची की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई।

सच तो यह है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की ठोको नीति चल रही है। ठोको नीति के चलते पुलिस बेकसूर जनता को ठोक रही है और अपराधी सत्ता के संरक्षण में बेखौफ हैं। भाजपा सरकार की कार्यशैली से अपराधियों के हौसले बढ़ गए हैं। बदहाल कानून व्यवस्था का आलम यह है कि पुलिस के अधिकारियों पर भी हमले होने लगे हैं। सरकार के पास दृढ़ इच्छाशक्ति का अभाव है। भाजपा सरकार सूबे में शांति व्यवस्था कायम करने में पूरी तरह विफल हो गयी है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के रहते उत्तर प्रदेश कभी 'उत्तम प्रदेश' नहीं बन पाएगा और न ही नागरिकों में सुरक्षा का भाव रहेगा। कानून व्यवस्था पर लम्बे-लम्बे भाषण देने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद अपने प्रदेश को संभालने में विफल रहे हैं। वे दूसरे प्रदेशों में जाकर अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। उनके मुख्यमंत्री रहते प्रदेश बदनामी और बदहाली से उबर नहीं पाएगा। चारों तरफ जंगलराज है। राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते प्रशासन तंत्र पूर्णतया निष्क्रिय हो चला है। मुख्यमंत्री की हनक सिर्फ उनके बयानों में ही दिख रही है। अपराधियों पर उसका कोई असर नहीं पड़ रहा। बहन-बेटियों की सुरक्षा न कर पाने की जिम्मेदार भाजपा सरकार को अविलंब बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए।

तस्वीरों में समाजवादी महिला घेरा

बंगाल चुनाव में सपा का तृणमूल को समर्थन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को समर्थन का ऐलान किया है। श्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की मुखिया सुश्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर उनसे कहा है कि राज्य में भाजपा को हराने के लिए जो संकल्प उन्होंने लिया है उसमें समाजवादी पार्टी उनका समर्थन करेगी।

मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस की जीत के लिए समाजवादी पार्टी की ओर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किरणमय नंदा तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में चुनाव प्रचार अभियान चला रहे हैं। वे सुश्री ममता बनर्जी के साथ चुनावी रैलियों में भी शिरकत की कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को पत्र भेजकर चुनाव में टीएमसी प्रत्याशियों के सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को भ्रमित कर रहे हैं। उनके मुख्यमंत्रित्वकाल की कुनीतियों ने यूपी का सत्यानाश कर दिया है लेकिन वे बंगाल की चुनावी सभाओं में बंगाल को यूपी बना देने का वादा कर रहे हैं।

श्री यादव ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं से अपील की है कि भाजपा के झांसे में न आयें। भाजपा नफरत की राजनीति करती है। उससे सतर्क रहना लोकतंत्र के हित में है। भाजपा चुनाव के दौरान भ्रम और प्रोपेगेंडा फैलाकर सत्ता पर काबिज होना चाहती है। समाजवादी पार्टी भाजपा की यह साजिश सफल नहीं होने देगी।

उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के नेता पश्चिम बंगाल में अपनी मौजूदगी को दर्ज कराने के लिए लगातार राजनीतिक कार्यक्रमों में जुट गये हैं। इस कड़ी में एक के बाद एक राजनीतिक

फोटो: facebook.com/MamataBanerjeeOfficial

कार्यक्रम और सभा समाजवादी पार्टी के लोग कर रहे हैं। कोलकाता, हावड़ा और रामपुरहाट के बाद मुर्शीदाबाद में भी कार्यक्रम हुए। प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी ऐसे कार्यक्रम लगातार हो रहे हैं।

मुर्शीदाबाद में समाजवादी पार्टी की महिला शाखा की एक बैठक हुई। बैठक में सपा के केंद्रीय व प्रदेश के नेताओं ने राज्य में हो रहे विधानसभा चुनाव में पार्टी के हित में जी जान से जुटने की बात कही।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी महिला घेरा कार्यक्रम मुर्शीदाबाद पार्टी दफ्तर में सम्पन्न हुआ। इस बैठक में सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री किरणमय नंदा, सपा युवजन सभा के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विकास यादव, प्रदेश सपा युवजन सभा के अध्यक्ष श्री हबीबुर्र रहमान खान, श्री तुषार चटर्जी व ताजीदा बीबी खातून ने लोगों को संबोधित किया।

दिवंगत समाजवादी सिपाहियों को

श्रद्धासुमन

ज्वाला प्रसाद का देहावसान हृदय विदारक

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने जौनपुर के मछली शहर से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक श्री ज्वाला प्रसाद यादव के निधन पर गहरा शोक जताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है और संतप्त परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की।

श्री ज्वाला प्रसाद यादव जौनपुर जिले की मछली शहर सीट से चार बार विधायक रहे। वे

लम्बे समय से बीमार थे। 14 फरवरी 2021 को उनका निधन हो गया। 15 फरवरी 2021 को समाजवादी पार्टी मुख्यालय लखनऊ में आयोजित शोक सभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री ज्वाला प्रसाद यादव जी का देहावसान हृदय विदारक घटना है। उनके निधन से पार्टी की अपूरणीय क्षति हुई है।

श्री यादव ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना जताने के साथ दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर प्रार्थना की। बाद में अपने पूर्वांचल दौरे के क्रम में श्री अखिलेश यादव जौनपुर में स्वर्गीय श्री ज्वाला प्रसाद के घर भी गए एवं उनके परिजनों से मिले।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने जनपद अम्बेडकर नगर की नगर पालिका परिषद टाण्डा की चेयरमैन एवं समाजवादी पार्टी की नेत्री श्रीमती नसीम रेहाना एवं पूर्व विधायक आलापुर श्री भीम प्रसाद सोनकर के निधन पर गहरा शोक जताते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन समाजवादी नेताओं के निधन से समाजवादी पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है।

सादगी की मिसाल थे रामपूजन पटेल

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने 22 फरवरी 2021 को पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता श्री राम पूजन पटेल के निधन पर उनके घर प्रयागराज के तेलियरगंज जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया।

श्री यादव ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की है और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

प्रयागराज के फूलपुर संसदीय क्षेत्र से तीन बार लोकसभा और एक बार राज्यसभा सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे श्री रामपूजन पटेल का पूरा जीवन सादगी और ईमानदारी का रहा। उनके निधन से समाजवादी पार्टी की अपूरणीय क्षति हुई है।

प्रयागराज दौरे के क्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पूर्व अध्यक्ष सुश्री ऋचा सिंह के गोविंदपुर स्थित घर जाकर उनके माता जी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। प्रयागराज के दौरे पर उनके साथ राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी भी थे। श्री अखिलेश यादव प्रयागराज में दिनभर रहे। वह जहां-जहां गए वहां-वहां जनता सड़कों पर उनका अभिवादन करती रही।

संत गाडगे का जीवन सबके लिए प्रेरणास्त्रोत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यालय में 23 फरवरी 2021 को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने महान समाज सुधारक संत गाडगे बाबा के चित्र पर माल्यार्पण किया।

संत गाडगे बाबा की जयंती पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संत गाडगे आजीवन सामाजिक विषमता और अन्याय के खिलाफ संघर्षरत रहे। वे समाज को जागरूक करते रहे। संत गाडगे व्यर्थ के कर्मकाण्ड एवं खोखली परम्पराओं से दूर रहे। अस्पृश्यता और जाति प्रथा के वे प्रबल विरोधी थे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संत गाडगे ने अपने समाज में शिक्षा का प्रकाश फैलाने के लिये 31 शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की। बाबा गाडगे के बाबा साहब डाॅ भीमराव अम्बेडकर से भी निकट संबंध थे। संत गाडगे का सम्पूर्ण जीवन और कार्य पूरे भारत के लिये प्रेरणा स्रोत है।

संत गाडगे जयंती समारोह में पूर्व कैबिनेट श्री मंत्री राजेन्द्र चौधरी, मनोज पाण्डेय एवं संजय गर्ग विधायक, अरविन्द कुमार सिंह सदस्य विधान परिषद, डाॅ रामकरन निर्मल प्रदेश अध्यक्ष लोहिया वाहिनी, अरविंद गिरी प्रदेश अध्यक्ष युवजन सभा भी कार्यक्रम में शामिल रहे।

फार्म ४

(नियम ८ देखिए)

१	प्रकाशन का स्थान -	समाजवादी बुलेटिन, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ
२	प्रकाशन अवधि-	मासिक
३	मुद्रक का नाम-	प्रो. रामगोपाल यादव, सदस्य राज्यसभा
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
४	प्रकाशक-	प्रो. रामगोपाल यादव
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
५	संपादक-	प्रो. रामगोपाल यादव
	(क्या भारत का नागरिक है)-	भारतीय
	(यदि विदेशी मूल है तो मूल देश)-	X
	पता-	46 ए फ्रेंड्स कालोनी, इटावा
६	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के 1% से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	समाजवादी पार्टी, 19 विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ

मैं प्रो. रामगोपाल यादव एतदद्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांक- 1 मार्च 2021

प्रकाशक के हस्ताक्षर
प्रो. रामगोपाल यादव

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

अच्छा लगता है कभी जब बचपन की याद बड़े होकर आये... जैसे कभी साइकिल पर बैठकर पढ़ने जाते समय पीते थे चार आने में इटावा की मशहूर 'घोड़ा चाय'.

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र की धरा से भगवान राम एवं भगवान कृष्ण द्वारा अभयत्व, प्रेम, सौहार्द व मानवता की अमरता के लिए दिए गये अमृत संदेशों का अर्थ वो क्या जाने जो जनमानस के मध्य विषवमन करते रहे हैं। वो राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत की दुहाई न दें जिन्होंने राष्ट्रपिता व राष्ट्रध्वज का कभी सम्मान नहीं किया।

Translate Tweet

सीएम के सामने पूर्व विधायक राम इकबाल ने खोल दी कलई, कहा

थाने और तहसील बन गये भ्रष्टाचार के अड्डे, कार्यकर्ताओं ने जमकर बजायी ताली

ऐसे समझाया घाटे | भाजपा कार्यसमिति के सदस्य और पूर्व विधायक ने सिलसिलेवार

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

गोमती रिवर फ्रंट पर खिले ये फूल सपा की बहुरंगी-सकारात्मक सोच का प्राकृतिक प्रमाण हैं।

भाजपा ने नदियों को नकार दिया है। न गंगा अविरल-निर्मल हुई, न गोमती।

फ़र्क़ है हम में, उन में ये... हम नदियों के किनारे गुलशन करने वाले हैं... वो काँटे बोने वाले हैं, हम फूल खिलाने वाले हैं।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

बैंकों की 2 दिन की हड़ताल ऐतिहासिक है क्योंकि इसने भाजपा सरकार की जनविरोधी साज़िशों का भंडाफोड़ कर दिया है. बैंककर्मी निजीकरण के ख़तरों से वाक़िफ़ हैं क्योंकि उन्हें अपने साथ बैंकों में जमा जनता के पैसों की चिंता है, जो कल डूबे तो भाजपा कह देगी बैंकों पर हमारा नियंत्रण नहीं है.

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

समाजवादी आंदोलन के शिखर पुरुष, महान चिंतक एवं स्वतंत्रता सेनानी डॉ॰ राममनोहर लोहिया जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन!

समाजवादी मूल्यों के लिए सपा सदैव संकल्पित रही है और रहेगी।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

बदायूँ में सपा के समय बनना शुरू हुए मेडिकल कॉलेज का काम भाजपा सरकार के चार साल के कार्यकाल में पूरा नहीं हो पाया.

भाजपा के लिए सिर्फ़ चुनाव जीतना मुद्दा रहता है, जन स्वास्थ्य या चिकित्सा नहीं.

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Translate Tweet

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

आधुनिक भारत की प्रथम शिक्षिका, सामाजिक परिवर्तन, नारी उत्थान व शिक्षा हेतु समर्पित सावित्री बाई फुले जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

अपनी भारत भूमि एवं स्वाभिमान की रक्षा हेतु प्राणों की आहुति देने वाली, साहस व शौर्य की प्रतिमूर्ति वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र की भाजपा सरकार को पहले नौकरी व कारोबार देने के झूठे ट्वीट हटाने पड़े, अब 5 एक्सप्रेस वे बनाने के झूठे होर्डिंग्स भी हटवाने पड़ेंगे।

सच तो ये है कि ये संकीर्णमार्गी स्वयं कोई महामार्ग नहीं बनवा सकते, ये तो बस झूठ के महामार्गी हैं, जिन्हें अब जनता हटाएगी।

#नहीं_चाहिए_भाजपा

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

पेट्रोल पहुँचा सौ पर और सिलेंडर हज़ार
फ़िर भी कहती 'सरकार' सब है गुलज़ार

बहुत हुई महंगाई की मार
अबकी बार भाजपा बाहर

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

शुक्र है तस्वीर तो उनकी अपनी है, काम भले किसी और का है!

Translate Tweet

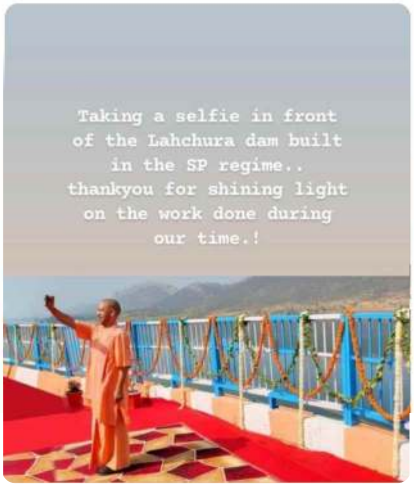

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

दुनिया के 30 सबसे प्रदूषित शहरों में 10 शहर उप्र के आएं हैं व राजधानी लखनऊ दुनिया में 9वें नंबर पर.

अगर सपा सरकार के पब्लिक ट्रांसपोर्ट मेट्रो, साइकिल ट्रैक, गोमती रिवर फ्रंट, पार्क व सफ़ारी जैसे पर्यावरणीय काम न रोके होते तो आज की भाजपा सरकार को ये दिन नहीं देखना पड़ता.

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2021-2023 कुल पृष्ठ : 68 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17